@Qpatrika    @qaumipatrika hindi    instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 18 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 132 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# ईरान युद्ध के चलते कच्चे तेल से ज्यादा बढ़ सकते हैं डीजल और जेट फ्यूल के दाम: रिपोर्ट

**• इस वैश्विक संकट का असर नेफ्था पर भी पड़ेगा**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** ईरान युद्ध के चलते वैश्विक तेल बाजार में आई उथल-पुथल का असर कच्चे तेल से ज्यादा डीजल और जेट फ्यूल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों पर पड़ सकता है। यह जानकारी गोल्डमैन सैक्स ग्रुप की एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, कई रिफाइंड उत्पादों (जैसे डीजल और जेट फ्यूल) की कीमतों में कच्चे तेल की तुलना में ज्यादा तेजी देखी जा रही है। विश्लेषकों ने कहा कि मीडियम और हेवी क्रूड की सप्लाई में भारी बाधा आने से डीजल, जेट फ्यूल और फ्यूल ऑयल का उत्पादन कम हो सकता है। अमेरिका और इजरायल के ईरान के खिलाफ युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला कर रख दिया है। यह संघर्ष बीते 28 फरवरी को शुरू हुआ और अब तीसरे हफ्ते में पहुंच चुका है, जिससे पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र पर असर पड़ा है।

इस संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात रुक गया है, और क्षेत्र में कई ऊर्जा ढांचे पर हमले भी हुए हैं। इससे तेल उत्पादकों को उत्पादन कम करना पड़ा है और कुछ रिफाइनरी संचालन भी रोकने पड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले हमलों के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, और ब्रेंट क्रूड 100

डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। हालांकि, डीजल और जेट फ्यूल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में इससे भी ज्यादा तेजी आई है। एशिया के कुछ हिस्सों में तो ईंधन की कीमतें दोगुनी तक हो गई हैं, और चीन, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपने घरेलू बाजार को बचाने के लिए निर्यात सीमित कर दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस संकट से कोई भी क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। युद्ध के कारण पर्शियन गल्फ (फारस की खाड़ी) के देशों के लिए रिफाइंड उत्पादों का निर्यात करना मुश्किल हो गया है, जिससे रिफाइनरी बंद हो रही हैं और डीजल जैसे ईंधन बनाने वाले क्रूड की सप्लाई कम हो रही है। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट में बताया गया कि पर्शियन गल्फ से होने वाले करीब 60 प्रतिशत कच्चे तेल का हिस्सा मीडियम और हेवी क्रूड होता है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से डीजल, जेट फ्यूल और फ्यूल ऑयल बनाने में किया जाता है, जिसके विकल्प भी सीमित हैं।

इस वैश्विक संकट का असर नेफ्था पर भी पड़ेगा, जो पेट्रोकेमिकल्स बनाने में इस्तेमाल होता है और कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एशिया अपने नेफ्था का करीब 50 प्रतिशत फारस की खाड़ी क्षेत्र से पूरी करता है, जबकि यूरोप अपने 40 प्रतिशत जेट फ्यूल के लिए इसी क्षेत्र पर निर्भर है। ऐसे में यह संकट वैश्विक स्तर पर ईंधन सप्लाई और कीमतों पर बड़ा असर डाल सकता है।

## भारत, अमेरिका सहित कई देशों से LPG आयात कर रहा; देश में आपूर्ति सामान्य : केंद्र

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार की ओर से मंगलवार को कहा गया कि भारत ने अमेरिका सहित कई देशों से एलपीजी को आयात करना शुरू कर दिया है। साथ ही बताया कि देश में आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर से गैस खत्म होने की रिपोर्ट नहीं मिली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की विपणन एवं तेल रिफाइनरी संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि अधिकांश एलपीजी खाड़ी देशों से आ रही है। शर्मा ने कहा, 'हमारी तेल कंपनियों ने अमेरिका से एलपीजी लेना शुरू कर दिया है। सरकार एलपीजी के स्रोतों में विविधता लाने के लिए भी हर संभव प्रयास कर रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'विविधीकरण बढ़ने के कारण आज हमें अधिक कच्चा तेल मिल रहा है।' राज्यों द्वारा वितरण कार्य फिर से शुरू करने के साथ ही वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति भी आंशिक रूप से बहाल हो गई है।

# एकनाथ शिंदे की पीएम मोदी से मुलाकात

**• मिडिल ईस्ट युद्ध समेत कई मुद्दों पर हुई बात**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने ईरान-इजरायल युद्ध, घरेलू हालात और महाराष्ट्र के अलग-अलग मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की। इस दौरान शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, नरेश म्हस्के, मिलिंद देवड़ा, धैर्यशील माने, श्रीरंग बारणे और रवींद्र वायकर मौजूद रहे। एकनाथ शिंदे ने भरोसा दिलाया कि युद्ध जैसे हालात में 'एनडीए' की सहयोगी के तौर पर शिवसेना, पीएम के स्टैंड का सपोर्ट करती है और हम देश के साथ हैं। इस मीटिंग के बाद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत की। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालात के दौरान भारत में झूठा प्रोपेगेंडा फैलाकर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग हेडलाइन बनाने के लिए पाकिस्तान की बात करते हैं। बालासाहेब के लिए देश पहले था

और राजनीति बाद में। आज हम बालासाहेब के विचारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि युद्ध के कारण कुवैत, दुबई, मस्कट में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को मुंबई और पुणे सुरक्षित वापस लाया गया। उन्होंने कोविड के बाद से खाड़ी देशों के साथ बने अच्छे रिश्तों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट से दो जहाजों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ राज्य में विकास के कामों और अलग-अलग मुद्दों पर बातचीत हुई।

# चारधाम यात्रा की तैयारियां तेज, छह लाख से अधिक पंजीकरण

**• अब मंदिर परिसरों में निर्धारित दूरी तक मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।**

**एजेंसी**
**देहरादून।** उत्तराखंड की आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस साल यात्रा के लिए अब तक 6 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। अब मंदिर परिसरों में निर्धारित दूरी तक मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ रील, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर नियंत्रण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है।

बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को देहरादून में एक पत्रकार वार्ता में बताया कि आगामी चारधाम यात्रा को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। हाल ही में संपन्न बैठक में धामों में गैर-सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाएं आदि शंकराचार्य की परंपरा और धामों की धार्मिक मर्यादा के अनुरूप तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 6 से 16 मार्च के बीच दो सप्ताह में कुल 6,17,853 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें केदारनाथ के लिए 2,06,622, बदरीनाथ के लिए 1,82,212, गंगोत्री के लिए 1,15,763 और यमुनोत्री के लिए 1,13,256 श्रद्धालु शामिल हैं। इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की

संभावना जताई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में धामों में पुनर्निर्माण और आधारभूत सुविधाओं के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि बदरीनाथ में कार्य प्रगति पर है।

# बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी: राष्ट्रपति

**• शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अवसरों का निर्धारण करती है और उसे सशक्त बनाती है।**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के भविष्य हमारे बच्चे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन परोसने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीएम पोषण के तहत चल रहा स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन साबित हुआ है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन 'समग्र शिक्षा अभियान' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने पांच अरब भोजन उपलब्ध कराने की उपलब्धि को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की थीम 'पोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत' हमारे राष्ट्रीय संकल्प 'विकसित भारत 2047' को साकार करने में पोषण और शिक्षा की अहम भूमिका को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन, कॉरपोरेट

क्षेत्र और समाज के सभी लोग मिलकर कार्य करते हैं, तभी आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अवसरों का निर्धारण करती है और उसे सशक्त बनाती है। स्कूल बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने पिछले 25 वर्षों से बच्चों में कुपोषण दूर करने और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के कार्य में जुटे अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की।

# बंगाल चुनाव: टीएमसी ने सभी सीटों पर उतारे उम्मीदवार

## भवानीपुर से मैदान में सीएम ममता बनर्जी

**एजेंसी**
**कोलकाता ।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी भवानीपुर से विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विधानसभा चुनाव के लिए सभी 294 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी। टीएमसी द्वारा जारी इस लिस्ट में ममता बनर्जी समेत पश्चिम बंगाल के कई दिग्गज टीएमसी नेताओं के नाम शामिल हैं, जिन्हें उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि सीएम ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा सीट से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरेंगी। वहीं, हाल ही में टीएमसी में शामिल हुए पवित्र कर को नंदीग्राम से टिकट दिया गया है, जहां उनका भी मुकाबला सुवेंदु अधिकारी से होगा।

भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों विधानसभा सीटों से टिकट दिया है।

इसके साथ ही सुजापुर सीट से सबीना यास्मीन, जंगीपुर सीट से जाकिर हुसैन, सागरदिघी सीट से बायरन बिस्वास, दिनहाटा सीट से उदयन गुहा चुनाव लड़ेंगे। वहीं, सिलीगुड़ी सीट से गौतम देव चुनाव मैदान में उतरे हैं। खगराम सीट से आशीष मारजीत चुनाव लड़ेंगे। करीमपुर सीट से सोहम चक्रवर्ती चुनाव लड़ेंगे। कंडी सीट से अपूर्व सरकार चुनाव लड़ेंगे। सिताई सीट से संगीता रॉय बसुनिया चुनाव लड़ेंगी। कृष्णानगर उत्तर सीट से अभिनव भट्टाचार्य चुनाव लड़ेंगे। नवद्वीप सीट से पुण्डरीकाक्ष साहा चुनाव लड़ेंगे।

वहीं, हरिन्घाटा सीट से राजीव विश्वास चुनाव लड़ेंगे। स्वरूपनगर सीट से बीना मंडल चुनाव लड़ेंगी। राजगंज सीट से सपना बर्मन चुनाव लड़ेंगी। हबरा सीट से ज्योतिप्रिया मल्लिक चुनाव लड़ेंगे। कृष्णानगर नगर दक्षिण सीट से उज्ज्वल विश्वास चुनाव लड़ेंगे। राणाघाट दक्षिण सीट से सौगत कुमार बर्मन चुनाव लड़ेंगे। कल्याणी सीट से अतींद्रनाथ मंडल चुनाव लड़ेंगे।

इससे पहले, सोमवार को भाजपा ने 144 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी, जिसमें सुवेंदु अधिकारी समेत कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल थे।

वहीं, वाम दल ने भी अपनी लिस्ट जारी की थी। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे, पहले चरण के लिए 23 अप्रैल और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं, वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

# प्रधानमंत्री मोदी से सपरिवार मिले वरुण गांधी

**• वरुण गांधी ने एक्स पर लिखा कि परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस

दौरान वरुण के साथ उनकी पत्नी और पुत्री भी उपस्थित रहीं। वरुण ने प्रधानमंत्री से आशीर्वाद लिया और मार्गदर्शन हासिल करने की बात कही। वरुण गांधी ने इस मुलाकात की फोटो मंगलवार को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व को 'आभामंडल से युक्त' बताते हुए कहा कि उनमें 'अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव' झलकता है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि प्रधानमंत्री देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के युवा चेहरों में गिने जाने वाले वरुण गांधी की सक्रियता पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है। उनकी पत्नी यामिनी मूलरूप से कोलकाता से आती हैं। ऐसे में कुछ लोग इस मुलाकात को पश्चिम बंगाल के चुनाव से भी जोड़कर देख रहे हैं।

# सरकार ने लोकसभा से 'जन विश्वास संशोधन विधेयक' को वापस लिया

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा से जन विश्वास विधेयक को वापस ले लिया। लोकसभा की चयन समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद इस विधेयक को फिर से पेश किया जाएगा। इस बिल का उद्देश्य विश्वास-आधारित शासन को और बढ़ावा देने के लिए कुछ कानूनों में संशोधन करके अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना और उन्हें तर्कसंगत बनाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज सदन की अनुमति लेने के बाद प्रवर समिति द्वारा रिपोर्ट किए गए 'जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025' को वापस ले लिया। इससे पहले गोयल ने लोकसभा में 'जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2025' को वापस लेने का प्रस्ताव रखा। यह विधेयक छोटे व्यावसायिक अपराधों को अपराधमुक्त करने और व्यापार करने में सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बढ़ाने के लिए 2025 में पेश किया गया था ।

# नए अस्पताल से धूरी शहर और 70 गांवों के हजारों लोगों को मिलेंगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं: मुख्यमंत्री मान

**कौमी पत्रिका**

धूरी, 17 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज धूरी में 50 बिस्तरों की क्षमता वाले सब-डिविजनल अस्पताल और 30 बिस्तरों की क्षमता वाले माता-शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक को लोगों को समर्पित किया। यह परियोजना पंजाब की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और संगरूर जिले में स्वास्थ्य ढांचे को बड़ा बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह परियोजना बुनियादी ढांचे को मजबूत कर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और डॉक्टरों व स्टाफ की उपलब्धता को बेहतर बनाकर सुलभ एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था लागू करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे न केवल धूरी शहर बल्कि आसपास के लगभग 70 गांवों के लोगों को भी लाभ मिलेगा, जिससे हजारों लोगों को घर के नजदीक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने आगे कहा, 21.65 करोड़ रुपये की लागत से बना यह कॉम्प्लेक्स लगभग 73,000 वर्ग फुट में फैला अत्याधुनिक भवन है, जो इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। इसमें ओपीडी, इनडोर इलाज, इमरजेंसी सेवाएं, जांच सुविधाएं और विशेष सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे सेकेंडरी स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। स्वास्थ्य सेवाओं के दोहरे ढांचे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 50 बिस्तरों वाला सब-डिविजनल अस्पताल व्यापक सेकेंडरी स्वास्थ्य सेवाएं देगा, जबकि 30 बिस्तरों वाला माता-शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक गर्भवती महिलाओं, नवजात

शिशुओं और बच्चों की देखभाल को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया, यह अस्पताल वर्ष 1978 में 30 बिस्तरों के साथ स्थापित हुआ था, बाद में इसे 50 बिस्तरों तक अपग्रेड किया गया और अब इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस 80 बिस्तरों वाला अस्पताल बना दिया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। बुनियादी सुविधाओं के बारे में उन्होंने कहा, अस्पताल में 13 ओपीडी कमरे, इमरजेंसी ब्लॉक, दो रजिस्ट्रेशन काउंटर और बड़ी व छोटी सर्जरी के लिए 7 ऑपरेशन थिएटर हैं। इसके अलावा तीन लैबोरेट्री, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने आगे कहा, अस्पताल में 12 निजी कमरे, 6 जनरल वार्ड, एक पूर्ण रूप से कार्यशील दवा भंडार, एसएमओ कार्यालय, 11 नर्स स्टेशन और 2 लिफ्टें हैं, जो मरीजों की बेहतर देखभाल और कार्यकुशलता को सुनिश्चित करती हैं। मुख्यमंत्री ने ?ोर देकर कहा, अस्पताल में सर्जिकल सेवाओं के साथ घुटना प्रत्यारोपण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। विशेषज्ञ डॉक्टर, विशेषकर कान-नाक-गला (ईएनटी) के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेंगे। माता-शिशु स्वास्थ्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, यह समर्पित केंद्र अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञों की निगरानी में सामान्य और सिजेरियन डिलीवरी की सुविधाएं प्रदान करेगा, जिससे माताओं और नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होगी। उन्होंने आगे कहा, माताओं और बच्चों के लिए आवश्यक इलाज और जांच मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि कोई भी परिवार आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित न रहे। अस्पताल के तहत चल रही ईएसआई डिस्पेंसरी के जरिए श्रमिकों को भी स्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहेंगी। व्यापक स्वास्थ्य सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार ने 1500 से अधिक डॉक्टरों की भर्ती की है, जिनमें 600 से ज्यादा विशेषज्ञ और 900 से अधिक जनरल डॉक्टर शामिल हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

## एससीबी अस्पताल हादसा

# मृतकों की संख्या 12 हुई, विपक्ष ने मांगा ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा

**एजेंसी**
**भुवनेश्वर ।** सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई भीषण आग की घटना, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई थी, के बाद मंगलवार को विपक्षी दल बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ओडिशा विधानसभा में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इन दलों ने नैतिक आधार पर स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग के तत्काल इस्तीफे की मांग की। मंगलवार को जैसे ही प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दल के सदस्य पोस्टर लेकर विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी के आसन की ओर दौड़ पड़े; वे सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे और स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हंगामे के जारी रहने के कारण सदन को पहले दोपहर 12 बजे तक और उसके बाद शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान सदन में बोलते हुए, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने कहा, 'कल, मैंने कटक में एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का दौरा किया।

## मोतिहारी में पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़ में दो अपराधी ढेर, एक जवान शहीद

पटना (एजेंसी)। चकिया थाना क्षेत्र के सिहोरवा में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश मारे गए, जबकि एक पुलिस जवान बलिदान हो गया। घटनास्थल से पुलिस ने कार्बाइन समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सिहोरवा में छापेमारी की। सूचना मिली थी कि कुंदन ठाकुर अपने गिरोह के सदस्यों के साथ हथियारों के साथ अपने एक दोस्त के घर में छिपा हुआ है। इस दौरान पुलिस की छापेमारी के दौरान पक्षों के बीच मुठभेड़ हो गई। मृतक बदमाश की पहचान कुंदन ठाकुर पिता फूलदेन ठाकुर, ग्राम बुल्लाचौक, थाना चकिया और प्रियांशु दुबे पिता संजय दुबे, ग्राम बसंतपुर, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। वहीं बलिदान एसटीएफ जवान की पहचान राम यादव के रूप में हुई है। घटना बीती रात 2:30 बजे की बताई जा रही है। मुठभेड़ में उज्वल कुमार और उसके पिता संत कुमार तिवारी दोनों को गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि बदमाशों ने अपर थाना अध्यक्ष गौरव कुमार को फोन पर धमकी दी थी। घटनास्थल पर डीआईजी, एसपी समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

## आरएसएस ने कभी गर्व करने वाला काम नहीं किया, सपा नेता ने प्रियंक खड़गे की मांग पर कहा

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंक खड़गे की मांग पर समाजवादी पार्टी के नेता आशुतोष वर्मा ने कहा कि आरएसएस ने कभी गर्व करने वाला काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस लोगों का ग्रुप है। इसके माध्यम से कुछ लोगों को लाभ दिलाने के लिए भाजपा व्यवस्था बनाकर चल रही है। इसतरह जब पीठ ठोकनी होती है, तब भाजपा और जब कुछ गलत करना हो, तब आरएसएस के माध्यम से कर लो। बिहार में हुए राज्यसभा चुनाव को लेकर सपा नेता वर्मा ने कहा कि देश की राजनीति में राज्यसभा का चुनाव काफी महत्वपूर्ण होता है। इसके बाद भी महागठबंधन में कांग्रेस के लोग साथ छोड़कर जा रहे हैं, तब इसका साफ मतलब है कि कांग्रेस में अभी भी इसतरह के लोग हैं, जिन्हें केवल विधायक और सांसद बनना है। उन्हें न विचारधारा से और न ही पार्टी से कोई मतलब है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस महागठबंधन को हर समय धोखा देती है। एलपीजी को लेकर उन्होंने कहा कि एलपीजी लेकर दो जहाजों के भारत पहुंचने पर साधुवाद, लेकिन क्या भारत सरकार बताएगी कि शिवालिक और नंदादेवी से आने वाले एलपीजी देश के कितने लोगों के लिए पर्याप्त है? उन्होंने कहा कि इन दोनों जहाजों में जितनी गैस है, वहां सिर्फ एक दिन के लिए है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार जबरदस्ती अपनी पीठ थपथपवा रही है। अभी 22 से 25 जहाज स्टेट ऑफ हॉर्मुज में फंसे हुए हैं।

## भारत ने पाकिस्तान के ओमिद नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर किए गए हमलों की निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान द्वारा काबुल स्थित ओमिद नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर 16 मार्च की रात को किए गए हवाई हमले की निंदा की। भारत ने इन हमले को फ्रकायरतापूर्ण और अमानवीयफ्र बताकर कहा है कि किसी भी हालत में अस्पताल जैसे स्थान को सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। बयान में आरोप लगाया गया कि पाकिस्तान इस नरसंहार को सैन्य कार्रवाई बताकर सही ठहराने की कोशिश कर रहा है। भारत के अनुसार, यह हमला अफगानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। यह हमला पाकिस्तान के 'लापरवाह व्यवहार' और अपनी आंतरिक समस्याओं को बाहरी हिंसा के दवारा छिपाने की कोशिश का हिस्सा बताया गया। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में बताया कि यह हमला रमज़ान के पवित्र महीने में किया गया, जो शांति और दया का समय होता है, इसलिए यह और भी निंदनीय है। अस्पताल और मरीजों को निशाना बनाने को किसी भी धर्म, कानून या नैतिकता से सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की है कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए और अफगानिस्तान में नागरिकों को निशाना बनाना तुरंत बंद किया जाए।

## पुलिस ने भारत-म्यांमार सीमा के पास पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ये उग्रवादी पीआरईपीएके (पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक, केवाईकेएल (कांगलेई यावोल कन्ना लूप) और 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) से जुड़े हैं। ये गिरफ्तारियां रविवार को मोरेह पुलिस थाना क्षेत्र से की गईं। वहीं, एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने जिले के बोलजांग पहाड़ी क्षेत्र से विस्फोटक और छोटे हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई वस्तुओं में आठ आईईडी, एक पिस्तौल, एक पिस्तौल की मैगजीन, एक मोर्टार, दो रेडियो सेट और नौ कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि बरामद की गई आईईडी को सुरक्षा प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार घटनास्थल पर ही नष्ट किया। भारत-म्यांमा सीमा पर हाल के दिनों में बढ़ी हलचल को देखकर सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। उग्रवादियों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी को सुरक्षा तंत्र की एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संभावित हिंसक गतिविधियों को टालने में मदद मिली है।

## यूपी में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद की चाकुओं से गोदकर हत्या

गोरखपुर(एजेंसी)।, गोरखपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद की हत्या कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चार हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद राजकुमार चौहान जान बचाने करीब 100 मीटर तक भागे, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर दोबारा उन पर हमला किया। हमलावर पूर्व पार्षद राजकुमार के मरने तक इंतजार करते रहे जब उनकी मौत हो गई तो हमलावर मौके से फरार हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बदमाशों ने सीने, सिर और हाथ पर चाकू से कई वार किए। इसके बाद वे कुछ देर तक वहीं रुके रहे और उनके मरने का इंतजार करते रहे। जब उन्हें लगा कि पूर्व पार्षद की मौत हो गई है, तब वहां से भाग गए।

# यूएई और ईरान के बाद फिनलैंड के माना भारत का लोहा... अमेरिका-ईरान जंग को रुकवा सकता

### फिनलैंड के राष्ट्रपति ने जयशंकर की कूटनीतिक पहलों की तारीफ की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका-ईरान जंग से इनदिनों दुनिया त्रस्त हो चुकी है। ईरान अकेला इजरायल और अमेरिका से बदला ले रहा है। ईरान के जवाबी एक्शन से पूरा पश्चिम एशिया जल रहा है। यह ईरान-अमेरिका जंग कैसे खत्म होगी, किसी को कुछ भी पता नहीं है। लेकिन अब दुनिया कहने लगी हैं कि ईरान जंग को सिर्फ और सिर्फ भारत खत्म करवा सकता है। यूएई और ईरान के बाद अब फिनलैंड का भी कुछ ऐसा ही मानना है। फिनलैंड ने मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के बीच तुरंत युद्धविराम की मांग की है। फिनलैंड का मानना है कि भारत ही इस ईरान युद्ध को खत्म कर सकता है।

दरअसल फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने सुझाव दिया कि भारत शांति कराने में मदद कर सकता है। उन्होंने विदेश मंत्री एस.जयशंकर की हालिया कूटनीतिक पहलों का भी अपने बयान में जिक्र किया। जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर ने ईरान युद्ध वाला तनाव कम करने की अपील की थी। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें युद्धविराम की जरूरत है। मैं सोच रहा हूं कि क्या भारत सचमुच इसमें शामिल हो सकता है। फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब की यह टिप्पणी तब आई है, जब नई दिल्ली ने बढ़ते तनाव के बीच तेहरान के साथ अपना संपर्क बढ़ाया है। पिछले हफ्ते विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की थी।

बातचीत के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने भारत को ईरान जंग पर ताजा घटनाक्रमों की जानकारी दी। इतना ही नहीं, उन्होंने संघर्ष को अमेरिका और इजरायल की आक्रामकता का नतीजा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपने आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने का इरादा रखता है।

इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कूटनीतिक प्रयासों के तहत ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिया से बात की है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बढ़ते तनाव और नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सामान व ऊर्जा की निर्बाध आवाजाही भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

#### यूएई और ईरान भी यही दावा कर चुके

इसके पहले ईरान और यूएई भी मान चुके हैं कि पश्चिम एशिया की तबाही को भारत रोक सकता है। दुनिया में भारत इकलौता देश है, जिसके दोनों पक्षों से बेहतर संबंध हैं। भारत वैसे भी हमेशा से ही शांति का पक्षधर रहा है। बीते दिनों ईरान ने कहा था कि भारत युद्ध रुकवा सकता है और खत्म करने में रचनात्मक भूमिका निभा रहा है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात के पहले राजदूत हुसैन हसन भी कहा था कि भारत बातचीत और कूटनीति के जरिए ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करवा सकता है।

## हवा में कांपने लगा एयर इंडिया का विमान, 300 यात्रियों की सांसे अटकी, करानी पड़ी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी) न्यूयॉर्क से दिल्ली की लंबी उड़ान पर निकले एयर इंडिया के विमान (फ्लाइट एआई102) में तकनीकी खराबी के बाद हवा में हड़कंप मच गया। उड़ान भरने के करीब 6 घंटे बाद, जब विमान विशाल अटलांटिक महासागर के ऊपर था, तब यात्रियों ने अचानक तेज कंपन और डरावना शोर महसूस किया। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पायलट ने बिना देरी किए विमान को आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट्स के आंकड़ों के अनुसार, आपातकालीन लैंडिंग से पहले यह विमान लगभग छह घंटे तक हवा में रहा, जिस दौरान यात्री गहरे तनाव और अनिश्चितता के साये में रहे। 15 मार्च को न्यूयॉर्क से रवाना हुआ यह विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे आयरलैंड में सुरक्षित लैंड कर लिया गया। हैरानी की बात यह है कि जिस विमान में यह गंभीर तकनीकी समस्या आई, वह एयर इंडिया के बेड़े का बिल्कुल नया और अत्याधुनिक एयरबस ए 350 मॉडल है। इस विमान को अभी पिछले साल अप्रैल 2024 में ही सेवा में शामिल किया गया था। नई तकनीक और आधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस इस विमान में अचानक कंपन और शोर की समस्या ने विशेषज्ञों और एयरलाइन प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया कि यह एक एहतियाती लैंडिंग थी ताकि किसी भी संभावित बड़ी अनहोनी को टाला जा सके। सुरक्षा मानकों के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता, इसलिए विमान को डायवर्ट करने का निर्णय लिया गया। फिलहाल, विमान शैनन एयरपोर्ट पर खड़ा है जहाँ इंजीनियरों की टीम खराबी के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताते हुए उन्हें दिल्ली पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने का आश्वासन दिया है।

## भारी बर्फबारी के बाद अटल टनल की ओर आने-जाने वाले वाहनों पर लगाई रोक

**-करीब 5000 पर्यटक सड़क पर फंस गए थे, मशीनरी से बर्फ हटाने का काम जारी**

**मनाली (एजेंसी)।** हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी के चलते प्रशासन ने नेहरू कुंड से अटल टनल की ओर वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी है। दरअसल, अटल टनल क्षेत्र में रविवार को अचानक हुई भारी बर्फबारी ने हजारों पर्यटकों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। करीब 1000 से ज्यादा वाहनों में करीब 5000 पर्यटक सड़क पर फंस गए थे, लेकिन प्रशासन, पुलिस और बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की टीमों ने रेस्क्यू अभिमनालीयान चलाकर सोमवार तक सभी लोगों को सुरक्षित मनाली पहुंचाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएसपी मनाली ने बताया कि भारी बर्फबारी से सड़कों पर बर्फ जम गई, जिससे फिसलन वाले रास्तों पर वाहन चलाना मुश्किल था। कई पर्यटकों को अपनी गाड़ियां छोड़कर पैदल या मदद से सुरक्षित जगह पहुंचना पड़ा। वहीं, कुछ टैक्सी ड्राइवर अभी भी अपने वाहनों के साथ टनल के आस-पास मौजूद हैं, लेकिन सभी लोग सुरक्षित हैं। सड़क ठीक होने पर उन्हें मनाली भेज दिया जाएगा। अटल टनल के साउथ पोर्टल के पास भारी बर्फ जमा हो गई है। इसलिए यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया है। नेहरू कुंड और सोलंग नाला में 24 घंटे के लिए बैरियर लगाए गए हैं। पुलिस की निगरानी में केवल आपातकालीन वाहन जैसे एंबुलेंस, पुलिस गाड़ियां, फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों को छोटे वाहनों से ही जाने की इजाजत है।

रिपोर्ट के मुताबिक कुल्लू के उपायुक्त ने कहा कि बीआरओ की टीमें लगातार भारी मशीनरी से बर्फ हटा रही हैं। सड़क को जल्द से जल्द साफ करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अभी जोखिम ज्यादा है, इसलिए ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। इस बीच, मौसम विभाग ने भारी बर्फबारी और बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने सभी पर्यटकों और स्थानीय लोगों से अपील की है कि मौसम और सड़क की स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक अटल टनल, सोलंग वैली की ओर जाने से बचें।

# बंगाल चुनाव में ममता बनाम शुभेंदु अधिकारी... राज्य की सबसे हॉट सीट बनी भबानीपुर

### शुभेंदु अधिकारी को बीजेपी की ओर से नंदीग्राम सीट से भी उतारा गया

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बीच सीधा चुनावी मुकाबला होना तय हो चुका है। भाजपा ने बंगाल में 144 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इस सूची के मुताबिक शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम सीट से उतारा गया है, जहां से उन्होंने पिछली बार ममता बनर्जी को हराया था। इसके अलावा भबानीपुर से भी वह मुकाबले में उतरे हैं, जहां से फिलहाल ममता विधायक हैं। अब टीएमसी की ओर से ममता बनर्जी ने भी ऐलान किया हैं कि वें खुद भबानीपुर से ही उतरेंगी। इस तरह साफ हो गया है कि पिछली बार नंदीग्राम वाली स्थिति भबानीपुर में होगी।

नंदीग्राम से ममता के शुभेंदु अधिकारी के मुकाबले हराने काफी चर्चा हुई थी। बताया जा रहा हैं कि इस बार भबानीपुर में हाईवोल्टेज मुकाबला देखने को मिल सकता है। ममता ने कहा कि हम राज्य में 226 सीटें जीतकर लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करने वाले है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भी तीखा हमला बोला है। दीदी ने कहा कि ईद से ठीक पहले बड़े-बड़े अधिकारियों के ट्रांसफर चुनाव आयोग कर रहा है। ऐसा लगता है कि बंगाल चुनाव से पहले राज्य में दंगे करने की तैयारी है।

ममता ने कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ये सबकुछ कर रहा है। यदि राज्य में कोई भी अप्रिय घटना होती हैं, तब उसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग और भाजपा की होगी। उन्होंने कहा कि पूरा खेल चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर कर रहा है। इस तरह ममता बनर्जी ने संकेत दे दिए हैं कि वह चुनाव आयोग पर भी सीधे निशाना साधेंगी। पहले ही वह एसआईआर को लेकर इलेक्शन कमिशन को टारगेट करती रही हैं। बता दें कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला हुआ था।

## स्कूल से मिड-डे मील का सिलेंडर चुराकर भाग रहे चोरों को आ गई नींद, खेत में सोते वक्त पकड़ा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से चोरी का एक बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहाँ चोरों ने एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय को अपना निशाना बनाया। दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के सराय शाह आलम गांव स्थित इस स्कूल में चोरों ने मिड-डे मील की रसोई का ताला तोड़कर एलपीजी गैस सिलेंडर पर हाथ साफ कर दिया। हालांकि, चोरों की चालाकी ज्यादा देर तक नहीं चल सकी और सुबह होते ही एक आरोपी रंगे हाथों पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह जब गांव के प्रधान प्रतिनिधि फुरकान अहमद टहलने के लिए निकले थे, तब उनकी नजर सरसों के एक खेत में संदिग्ध गतिविधि पर पड़ी। उन्होंने देखा कि एक युवक चोरी का सिलेंडर छिपाने की कोशिश कर रहा है। संदेह होने पर उन्होंने तत्काल स्कूल के किचन की जांच की, जहाँ ताला टूटा हुआ मिला। फुरकान अहमद ने सूझबूझ का परिचय देते हुए घेराबंदी की और मौके से गयास नाम के युवक को दबोच लिया। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी गयास ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि इस चोरी में उसका साथी लवकुश भी शामिल था। पकड़े जाने के डर से उन लोगों ने सिलेंडर को सरसों के खेत में छिपा दिया था ताकि बाद में उसे ठिकाने लगाया जा सके। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खेत से चोरी किया गया सिलेंडर बरामद कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी लवकुश फिलहाल फरार है। दरियाबाद कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गयास को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। फरार अभियुक्त की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की किल्लत और बढ़ती मांग के कारण इस तरह की छोटी चोरियों की घटनाओं में इजाफा हुआ है। फिलहाल, पुलिस अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है।

# ओडिशा में क्रॉस वोटिंग करने वाले 3 विधायकों के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में कांग्रेस

### रमेश चंद्र जेना, दसरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस का नाम

**भुवनेश्वर (एजेंसी)।** ओडिशा में क्रॉस वोटिंग के कारण राज्यसभा चुनाव में हारने वाली कांग्रेस ने अब बागी विधायकों पर एक्शन लेने की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे के लिए वोट डालने वाले तीन विधायकों को निलंबित किया है। ये विधायक हैं सनाखेमुंडी रमेश चंद्र जेना, मोहाना के दसरथी गोमांगो और कटक से महिला विधायक सोफिया फिरदौस का नाम शामिल है। इन लोगों ने सोमवार को हुए राज्यसभा चुनाव में पार्टी की हिदायत के बाद भी रे के समर्थन में वोट किया था। इन विधायकों के निलंबन की जानकारी देकर ओडिशा कांग्रेस ने लिखा, कांग्रेस को धोखा देने वालों ने देश के साथ विश्वासघात किया है।

ओडिशा कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रभारी अरबिंद दास ने कहा कि यह निर्णय पूरी प्रक्रिया की समीक्षा करने के बाद हुआ है। इन लोगों ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के हितों के खिलाफ काम किया। वे भी तब जबकि सभी विधायकों को पहले से ही हिदायत दी गई थी। उन्होंने कहा कि अब इन लोगों की विधानसभा की सदस्यता ही खत्म करने की तैयारी है। इसके लिए हम स्पीकर को जल्दी ही नोटिस देने वाले हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि इन लोगों से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इन विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है। हम तय कर रहे हैं कि कैसे संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत इन लोगों को विधानसभा से बाहर कराए।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस एक्शन की कांग्रेस हाईकमान ने भी सराहना की है। लीडरशिप मानती है कि इन लोगों के खिलाफ एक्शन होना जरूरी था। इन कांग्रेस विधायकों के अलावा मुख्य विपक्षी दल बीजेडी के भी 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। इसकारण विपक्ष के साझा उम्मीदवार दत्तेश्वर होता की हार हो गई। माना जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा ही एक्शन बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों में भी ले सकती है। बिहार में भी विपक्षी कैंडिडेट को हार मिली है, जबकि वह एक उम्मीदवार जिताने की स्थिति में आसानी से था।

हरियाणा में किसी तरह कांग्रेस के कैंडिडेट कर्मवीर सिंह बौद्ध को जीत मिली। फिर भी भाजपा की रणनीति के आगे पार्टी हांफती नजर आई। यहां भी 5 विधायकों ने पार्टी से अलग रुख अपनाया और क्रॉस वोटिंग कर दी। इसके अलावा 4 वोट अवैध करार किए। इस तरह 37 सीटों वाली कांग्रेस के कैंडिडेट को महज 28 वोट ही मिले। ऐसी स्थिति में कांग्रेस यह पड़ताल करने में जुटी है कि आखिर हरियाणा और बिहार में किन नेताओं ने उसके ही कैंडिडेट को वोट नहीं दिया।

## दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून सक्रिय, फिर होगी बारिश तापमान में आएगी गिरावट

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून सीजन की शुरुआत हो गई है और रविवार 15 मार्च को हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश बहुत तेज नहीं थी, लेकिन इसका दायरा बड़ा था। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी हल्की बारिश हुई। रविवार सुबह से ही उत्तरी मैदानी इलाकों में बारिश की गतिविधियां थीं। इसके बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला।

मौसम एजेंसी के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में इस सप्ताह के दौरान एक-दो बार और बारिश होने की संभावना है। रविवार को हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई है, जिससे पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। इससे पहले एक सप्ताह से ज्यादा समय तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ था। 7 से 12 मार्च के बीच लगातार छह दिनों तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया था और 11 मार्च को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। 15 मार्च को 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है, हालांकि यह सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा था।

मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पहाड़ी इलाकों के ऊपर सक्रिय है, लेकिन दिल्ली में 17-18 मार्च तक ज्यादा प्री-मानसून गतिविधियां देखने को नहीं मिलेंगी। इसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ सकता है। इसके प्रभाव से राजस्थान के ऊपर एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। 19 से 21 मार्च के बीच दिल्ली और आसपास के इलाकों में एक ट्रफ रेखा बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 19 और 20 मार्च को दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 21 मार्च को भी इसका हल्का असर बना रह सकता है, हालांकि उस दिन मौसम जल्दी साफ होने की उम्मीद है। 22 मार्च से मौसम में सुधार देखने को मिल सकता है, लेकिन अगले सप्ताह भी कुछ स्थानों पर हल्की मौसम गतिविधियां जारी रह सकती हैं।

# प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के तुरंत बाद मिला ईरान पर हमले का असली मौका: अजार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले महीने 25 से 26 फरवरी तक किए गए इजरायल दौरे के बाद पश्चिम-एशिया में छिड़ी भीषण जंग को लेकर देश में विपक्षी दलों द्वारा की जा रही तमाम टीका-टिप्पणियों के बीच भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन आजार का एक महत्वपूर्ण बयान सामने आया है। जिसमें मीडिया से बातचीत में उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा के समाप्त होने के बाद यानी 26 फरवरी के बाद हमारी ईरान पर हमले की वास्तविक योजना (रणनीतिक अवसर) ने मूर्तरूप लिया था। इससे भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा का कोई लेना देना नहीं है। ये हमारे एक ऐसा सैन्य अवसर था। जो प्रधानमंत्री मोदी के इजरायल से जाने के बाद सामने आया। जबकि इससे पहले तक इजरायल ऐसे किसी हमले के लिए तैयार नहीं था। हमने हमले का फैसला भारतीय पीएम की यात्रा के 48 घंटे बाद की गई सुरक्षा संबंधी मामलों की कैबिनेट की बैठक में लिया था। जिससे साफ हो जाता है कि हमले की योजना पूर्व निर्धारित नहीं थी और ये समय के साथ विकसित हुई थी। उन्होंने ये भी कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जीवित हैं। जब मैं इजरायल में था तो मैंने खुद उन्हें एक से अधिक बार प्रत्यक्ष रूप से देखा है। कॉफी वाला उनका जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वह पूरी तरह से गलत और झूठा है। जिसमें ईरान और उसके साथियों की भूमिका नजर आती है।

#### ईरान चाहेगा तो रुकेगी लड़ाई

अजार ने कहा कि हम युद्ध के बीच हर प्रकार की शत्रुता को समाप्त करने के पक्ष में हैं यानी लड़ाई को रोकना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए ईरान को अपने रुख में तब्दीली करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों से तेल अवीव क्षेत्र में और उसके बाहर अपने तमाम सहयोगियों (अमेरिका व अन्य देश) के साथ कूटनीतिक माध्यमों से संवाद कर रहा है। जिसमें तनाव को खत्म करने का मुद्दा शामिल है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमारे मत में कहीं पर भी ईरान पर जमीनी हमले की योजना शामिल है। मौजूदा सैन्य हमलों के जरिए भी हमने ईरान की क्षमता पर चोट की है। आगे भी ये कवायद जारी रहेगी। वर्तमान में हम ईरान के आसमान पर नियंत्रण बनाए हुए हैं।

# जब तक आरोपियों को सजा नहीं मिलती तब तक आंदोलन होता रहेगा: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी एवं कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन हुए तरुण हत्याकांड की आग अभी धधक

रही है। दरअसल, इस हत्याकांड में तरुण के परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए लोगों के अंदर आक्रोश दिखाई दे रहा है। आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए ब?ी संख्या में लोग स?कों पर उतर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक तरुण को इंसाफ नहीं मिल जाता है, तब तक हम आवाज उठाते रहेंगे। प्रमुख समाजसेवी एवं कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा एवं हिन्दू समाजसेवी कार्यकर्त्ताओं और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर तरुण की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस मामले में आरोपियों को क?ी से क?ी सजा मिलनी चाहिए ताकि पी?ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होने कहा कि समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ सामूहिक आवाज उठाना समय की मांग है।सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के बीच प्रदर्शनकारियों ने संकल्प दोहराया कि जब तक दोषियों को क?ी सजा नहीं मिल जाती, कानूनी और आर्थिक स्तर पर न्याय की यह ल?ाई जारी रहेगी। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में सात साल की मासूम बच्ची ने अपने ताऊजी पर पानी का गुब्बारा फेंका था, जिसके चंद छींटे वहां से गुजर रही एक मुस्लिम महिला के कप?ों पर क्या गिरे, पहले तरुण के माता-पिता और ताऊ जी को निर्ममता से पीटा। फिर तरुण की तलवारों, पत्थरों व लाठियां से सरेआम नृशंस हत्या कर दी गई। आगे उन्होने कहा कि इसी वर्ष पावन होली पर हिंदुओं के खून से होली खेलने के लिए 11 से अधिक हमले किए गए। पिछले 10 वर्षों में केवल होली पर हमलों की 42 से अधिक शिकायतें दर्ज की जा चुकी है। होली ही नहीं, हिंदुओं का कोई भी पर्व ऐसा नहीं है, जिस पर जिहादी हिंदुओं पर हमले न करते हों। पिछले 10 वर्षों में हिंदुओं के त्योहारों पर 240 से अधिक बार प्राण घातक हमले किए गए, जिनमें कई हिंदुओं को घेर कर मारा गया। मल्होत्रा ने आगे कहा कि हम हिन्दूवादियों को बताना चाहता हूँ कि स्वयं अपने आप रक्षा का कवज बनो नहीं तो जिहादी एक-एक करके हिन्दुओं पर हमला करते रहेंगे, सभी हिन्दुवासियों को सोचना होगा उसी समय जैसे का तैसा होना चाहिए। तभी न्याय मिल सकेगा।

# डायबिटीज और उच्च रक्तचाप से किडनी रोग का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। अगर आप भी डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मरीज हैं, तो क्रॉनिक किडनी डिजीज कभी भी आपको अपनी चपेट में ले सकता है। क्रॉनिक किडनी डिजीज के अधिकतर मामलों के पीछे डायबिटीज और उच्च रक्तचाप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। ऐसे में लगभग 60-70 फीसदी मरीजों में ये दोनों ही कारण किडनी की धीरे-धीरे होने वाली बीमारी के लिए मुख्य हैं। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का लंबे समय तक नियंत्रण न करने पर किडनी की फिल्टरिंग क्षमता कम होने लगती है, जिससे शरीर में टॉक्सिन जमा हो सकते हैं। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि वे नियमित जांच कराएं, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें और जीवनशैली में सुधार करें। शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने से गंभीर किडनी बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञों ने किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत पर जोर दिया है। किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. बीएस सोलंकी ने बताया कि बहुत से लोग यह नहीं जानते कि मधुमेह और उच्च

रक्तचाप जैसी सामान्य बीमारियां समय के साथ जा रहा है। ऐसे में लगभग 60-70 फीसदी मरीजों में ये दोनों ही कारण किडनी की धीरे-धीरे होने वाली बीमारी के लिए मुख्य हैं। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का लंबे समय तक नियंत्रण न करने किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने बताया कि क्रॉनिक किडनी डिजीज के लगभग 60-70 प्रतिशत मामलों के पीछे डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जिम्मेदार हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती चरणों में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसलिए समय पर जांच और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण बेहद जरूरी है। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सोलंकी ने बताया कि किडनी को स्वस्थ रखने के लिए जीवनशैली सुधार महत्वपूर्ण है। इसमें ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना, नियमित व्यायाम करना, नमक का सेवन कम करना, पर्याप्त पानी पीना और धूम्रपान से दूर रहना शामिल है। ये सरल कदम किडनी फेल्योर और डायलिसिस की जरूरत को काफी हद तक रोक सकते हैं। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लोग समय-समय पर ब्लड क्रिएटिनिन, यूरिन जांच और ब्लड प्रेशर जैसी सरल जांच कराएं। शुरुआती चरण में किडनी रोग का पता लगाना और उसका समय पर इलाज करना रोग की प्रगति को रोकने में मदद करता है। आरएमएल अस्पताल के मेडिसन डॉ. रमेश मीणा ने बताया कि विश्व किडनी दिवस जागरूकता बढ़ाने का दिन नहीं है, बल्कि लोगों को अपनी किडनी की सेहत पर ध्यान देने और नियमित स्क्रीनिंग कराने के लिए प्रेरित करने का अवसर भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विशेष रूप से डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर वाले लोग नियमित रूप से किडनी टेस्ट कराएं और अपने खानपान और जीवनशैली में सुधार करें। उन्होंने बताया कि अगर लोग समय पर सावधानी बरतें और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करें, तो क्रॉनिक किडनी डिजीज की गंभीर अवस्था से बचा जा सकता है। इसके अलावा, लोगों को अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयों का सही इस्तेमाल करना और हेल्दी जीवनशैली अपनाना जरूरी है।

# नए अस्पताल से धूरी शहर और 70 गांवों के हजारों लोगों को मिलेंगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसके अलावा आम आदमी क्लीनिकों में 800 से अधिक डॉक्टर तैनात किए गए हैं, जिससे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा, हमने सेकेंडरी स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया है और आम आदमी क्लीनिकों के नेटवर्क का विस्तार किया है। 300 करोड़ रुपये से अधिक की खरीद के जरिए मुफ्त दवाइयों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। वित्तीय सुरक्षा पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर दिया जा रहा है, ताकि लोगों को बिना आर्थिक बोझ के बेहतर इलाज मिल सके। अंत में उन्होंने कहा, इस परियोजना से धूरी के 58,000 से अधिक निवासियों और आसपास के हजारों लोगों को लाभ होगा। हम पंजाब के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।


**NAME CHANGE**
I Bharat Bhushan Chouhan R/o HNO 217, VILL JAKHAULI, TEH SONIPAT DISTT SONIPAT, Jakhauli (37), Sonipat, Haryana - 131023 have changed my name to Bharat Bhushan for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Mohit Kumar S/O Prem Chand, R/o C-4/11 sector 5, rohini New Delhi, 110085 have changed my name to Mohit Wadhwani for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Laxmi Narayen Shukla S/O RAM BAHADUR SHUKLA, 1-2/132, SECOND FLOOR, SECTOR-16 ROHINI, Rohini Sector 15, PO Rohini Sector 15, DIST:North West Delhi, Delhi. 110089 have changed my name to Laxmi Narayan Shukla for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Shashank S/0 Mahender Kumar Kaushal, QTRS no.1, Ambulance Carrage R.B.I.P.M.T Kings Way Camp Delhi, Dr.Mukerjee Nagar, Delhi - 110009 have changed my name to my name Shashank Kaushal for all future purposes.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I Priyanka D/O Mahendra Kumar W/O Ex. Rajat W/O Navnit Kumar R/O H. No. 483 Circular Road Near Animal Hospital Shahdara North East Delhi 110032 Declare that I got divorce from my husband vide Court decree HMA No. 97/22 dated 15.02.2022, further I remarried with Navnit Kumar S/O Jay Mangal Singh R/O H. No. 483 Circular Road Near Animal Hospital Shahdara Delhi 110032, marriage Registration No. 90730000237461 dated 10-12-2025 hence forth the name of my minor son namely Bhargav Kumar aged 14 years may be known as. Respectively and also the name of my minor son may be known as Navnit Kumar in future for all purpose.

**NAME CHANGE**
I, ASHUTOSH INDRESH TYAGI S/o Indresh Kumar Tyagi R/o E-904, Supertech Green Village, Meerut, Uttar Pradesh-250002, have changed my name to ASHUTOSH TYAGI permanently

**NAME CHANGE**
I, MANJUBEN INDRESH TYAGI W/o Indresh Kumar Tyagi R/o E-904, Supertech Green Village, Meerut, Uttar Pradesh-250002, have changed my name to MANJU TYAGI permanently

**NAME CHANGE**
I, INDRESH TAPESHRAI TYAGI S/o Tapesh Chand Tyagi R/o E-904, Supertech Green Village, Meerut, Uttar Pradesh-250002, have changed my name to INDRESH KUMAR TYAGI permanently

**सार्वजनिक सूचना**
आम जनता को सूचित किया जाता है कि पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका शाखा कार्यालय शाहदरा, नई दिल्ली में स्थित है, श्रीमती हेम लता को संपत्ति संख्या 1/4665-डी के एक आवासीय निर्मित द्वितीय तल (छत और छत के अधिकारों के बिना) की जमानत के बदले वित्तीय सुविधा प्रदान करने का इरादा रखता है। यह संपत्ति प्लॉट संख्या 24 पर निर्मित है, जिसका क्षेत्रफल 57.69 वर्ग मीटर है और यह खसरा संख्या 92 और 93 में आती है। यह संपत्ति बलबीर नगर, इलाका, शाहदरा, दिल्ली-110032 की आबादी में स्थित है। उक्त संपत्ति 1) श्री सचिन मिश्रा और 2) श्रीमती रश्मी मिश्रा के स्वामित्व में थी, जिन्होंने दिनांक 27.03.2015 को विधिवत पंजीकृत और निष्पादित दस्तावेज संख्या 1185 वाले विक्रय विलेख के आधार पर उस पर अपना अधिकार प्राप्त किया था, जिसे 1) श्रीमती सविता गोयल और 2) श्रीमती अंजना देवी द्वारा निष्पादित किया गया था। इसके द्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.02.2015 को श्री शिव चरण गोयल द्वारा श्रीमती सविता गोयल और श्रीमती अंजना देवी के पक्ष में उक्त संपत्ति, अर्थात उक्त तल निर्मित द्वितीय तल (छत की ऊंचाई तक, पर बिना छत के अधिकार के बिना), के संबंध में निष्पादित मूल दस्तावेज विलेख (दस्तावेज संख्या 440) गुम हो गया है और उसका पता नहीं चल रहा है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में एलआर संख्या 164665/2026, दिनांक 14.03.2026 के तहत विधिवत रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है। तदनुसार, उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में या पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के विरुद्ध किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, हक, हित, देनदारी या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (7) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्तियां लिखित रूप में, सहायक दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि कोई दावा या आपत्ति हो, तो उसे अधिवक्ता ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर- +91-9340118309) को प्रस्तुत किया जा सकता है। निर्धारित समयावधि के भीतर कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में, यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दावा, अधिकार, हक, हित, ऋण, देनदारी नहीं है, और प्रस्तावित लेनदेन बिना किसी और संदर्भ या आपत्ति के पूरा कर दिया जाएगा।
ऋषि माहेश्वरी (वकील)
कार्यालय का पता: आर्केड-29, उपरी भूतल, भगवती गार्डन जैन रोड, द्वारका मोड़ के पास, नई दिल्ली 110059।
संपर्क नंबर: +91- 9340118309

**NAME CHANGE**
I Rajesh Munnalal Yawale S/o Sarwan, B-383, R. S. CHAUKHANDI, TILAK NAGAR, NEW DELHI, West Delhi, Delhi - 110018 have changed my name to Rajesh Munna Lal for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, ANANYA SHISHODIA D/o MANOJ KUMAR R/o 356/90 16A VASHISHTH PROPERTY ASHOK VIHAR PHASE 2 GURGAON HARYANA -122001 I HAVE CHANGED MY NAME ANANYA for future purpose

**NAME CHANGE**
I Shankar Prasad S/O Mahavir Prasad Gupta R/o k-90 gali n0-15 khasra nu-17/4 SWAROOP NAGAR Samai Pur North West Delhi Delhi-110042 have changed my name to Shankar Prasad Gupta for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Mohammad Salim S/o Mohammad Gulam Bari R/o A 131, Ph 2, Vijay Vihar, North West Delhi - 110085 have changed my name to Mohd Salim for all future purposes

**NAME CHANGE**
I, ARVIND KUMAR TIWARI son of Shri PREM NATH TIWARI, residing at Flat No-104 Block 24, Brahmputra Enclave, Sector 7 Siddharth Vihar, VTC: Ghaziabad, PO: Ghaziabad City, Sub District: Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor daughter ENJAL aged 09 years and she shall hereafter be known as VAMIKA TIWARI.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I MOHD HAFIJUDDIN S/O MOHD JAAN Permanent R/O H NO-44VILL- RAJO, POST-SANAHPUR, DARBHANGA, BIHAR 847307 and Present R/O D-371, GALI NO-11, SHRI RAM COLONY, RAJEEV NAGAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI-110094 declare that name of mine and my father have been wrongly written as HEFAJUDHIN and MD. JAN in my voter ID No. BR/13/091/519151. The actual name of mine and my father are MOHD HAFIJUDDIN and MOHD JAAN respectively which may be amended accordingly

**NAME CHANGE**
I,Rajeswar Thutupalli S/O Mukunda Murthy Thutupalli R/O 149-C Leiah Apment Vasundhara enclave east Delhi 110096, Changed my name to T Rajeswar.

**NAME CHANGE**
I, M DANAM Father of No-15808798P Rank-NK Name- MIDDE MADDILETY residing at 5-256/2, SC COLONY, VPO-YERRAGUNTLA, TEHSIL-SIRIVELLA, DIST-NANDYAL, ANDHRA PRADESH-518510, have changed my name from M DANAM to MIDDE DANAMAIAH for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as MOHD AFSAR KHAN S/O AKHTAR MIYA R/O H.NO-31/126, 2nd Floor, Gali No-2, Ghaffar Manzil, Jamia Nagar, Okhla, South Delhi, Delhi-110025 have changed my name and shall hereafter be known as AFSAAR MIYA.

**NAME CHANGE**
I NOOR MOHD S/O MOHD RAFIQ R/O E-17 BLOCK-E GAFFAR MANZIL EXTN PART-2 JAMIA NAGAR OKHLA SOUTH DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME TO NOOR MOHAMAD

**NAME CHANGE**
I RIZWAN S/O RIYASAT KHAN R/O 632 BEHIND PACKO INDUSTRY JEEWAN NAGAR GOUNCHHI BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to RIZWAN KHAN Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I SHALU JAISWAL W/O RAKESH JAISWAL R/O 06024 ATS GREENS PARADISO SECTOR CHI-4 GREATER NOIDA GAUTAM BUDH NAGAR UTTAR PRADESH 201310 have changed my name to NEERU AGGARWAL Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I SOBATH SINGH CHAUHAN W/O AZAD SINGH CHAUHAN R/O C-36 T FLOOR CHANAKYA PLACE -1 UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to NEELAM CHAUHAN Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I AZAD SINGH S/O SOBAT SINGH R/O C-36 TOP FLOOR CHANAKYA PLACE PART-1 UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my name to AZAD SINGH CHAUHAN Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I Nisha Ahlawat D/O Mahender Singh, 7/322, GALI NO. 2, NETAJI NAGAR, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana-124507 have changed my name to Nisha Chillar for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I aprna sharma w/o anil Sharma R/o H.no - 150 gali no. 1 , Bahadurgarh, Jhajjar, haryana have changed my name to Aparna sharma for all future purposes

**NAME CHANGE**
I Sanjay Kumar S/o. Late Shri Rambilas, R/o Flat No. A-503, 5th Floor,, Climax CGHS Ltd., Plot No. 11/2, Near Balaji Temple, Balaji Apartment,, Rohini Sector-14, PO: Rohini Sector-7, DIST: North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name to Sanjay Kumar Gupta for all future purposes.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I MOHD HAFIJUDDIN S/O MOHD JAAN Permanent R/O H NO-44, VILL- RAJO, POST-SANAHPUR, DARBHANGA, BIHAR 847307 and Present R/O D-371, GALI NO-11, SHRI RAM COLONY, RAJEEV NAGAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI-110094 declare that name of mine and my father have been wrongly written as HEFAJUDHIN and MD. JAN in my voter ID No. BR/13/091/519151. The actual name of mine and my father are MOHD HAFIJUDDIN and MOHD JAAN respectively which may be amended accordingly

**PUBLIC NOTICE**
Be it known to all that my clients namely Sh. Babu Lal son of Sh. Late Dhani Ram having Adhaar No. 797008705262 and Smt. Savitri wife of Sh. Babu Lal having Adhaar No. 841244367781 resident of House No. 3/83, Dakshinpuri, Ambedkar Nagar, New Delhi - 110062 have severed all relations with their son Sh. Amit Kumar and also debar him from all their moveable and immoveable properties due to his unwarranted behavior/acts and anti-social conduct towards my clients. My clients shall not be responsible for any acts/conducts, misconducts, deeds and things done by Sh. Amit Kumar in any manner whatsoever. Whoever deals in any manner with Sh. Amit Kumar may do so at his/her own free will and responsibility.
**Md Absar Ahmad (Advocate)**
Enrl No- D/4367/2015.

**NAME CHANGE**
I, GITANJHALI wife of No.-15482693M, Rank-DFR, Name-KADAM VIKRAM ASHRAM residing at VILL-WADACHIWADI, PO-ANJANGAON (A U), TEH-MADHA, DISTT-SOLAPUR, MAHARASTRA-413209 have changed my name from GITANJHALI to GITANJALI VIKRAM KADAM for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, AVNISH KALSI W/O KULJEET SINGH residing at 344/129 ZJ, GALI NO-9, EAST GURU ANGAD NAGAR, LAXMI NAGAR, NEW DELHI-110092. have changed my name to AVNISH KAUR KALSI for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, PARAMJIT SINGH W/O TALWINDER SINGH KALSI residing at H NO-406, NEAR PRISTINE MALL, SEC-31, FARIDABAD, HARYANA-121003. have changed my name to PARAMJIT KAUR for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, TALVINDER SINGH KALSI S/O DARSHAN SINGH KALSI residing at H NO-406, NEAR PRISTINE MALL, SEC-31, FARIDABAD, HARYANA-121003. have changed my name to TALWINDER SINGH KALSI for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, JITENDER S/o Gangadeen Gour R/o H.No.38, Rahul Colony, Faridabad, Haryana-121001, have changed my name from JITENDER to JITENDER GOUR permanently

**NAME CHANGE**
I, MANOJ BOTHRA S/o Kudan Mal Bothra R/o D-7, 2nd Floor, Vivek Vihar, Phase-1, Delhi-110095, have changed my name from MANOJ BOTHRA to MANOJ KUMAR BOTHRA permanently.

**NAME CHANGE**
I, PARMOD DHANDA S/o Vipin Kumar Dhanda R/o B-126, 2nd Floor, B-Block, Jhilmil Colony, Delhi-110095, have changed my name from PARMOD DHANDA to PRAMOD DHANDA permanently

**NAME CHANGE**
I, MOHD YASAR KHAN / MOHAMAD YASER KHAN S/o Nasir Khan R/o B-70, 3rd Floor, Okhla, Imam Residencey, Lane-3, Johri Farm Noor Nagar Extn. Jamia Nagar,Delhi-110025 have changed my name to MOHAMMED YASER KHAN permanently

**NAME CHANGE**
I, Kumari Nutan is legally husband of No. 15794317K Rank HAV (DS) Name Dharmendra Kumar Singh, Residing at Vill Chanwakh PO: Kudra, Dist-Kaimur (Bhabua) (Bihar) 821108, have changed my name from Nutan to Kumari Nutan vide Affidavit Dated 17.03.2026 before District Court, Dwarka Court, New Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SIMRAN MANJEETSINGH RAJPUT CHAUHAN, WIFE OF ASHISH NEIL JACOB RESIDENT OF WW10E, MALIBU TOWN, SOHNA ROAD, SECTOR-47, GURGAON, HARYANA 122018, HAVE CHANGED MY NAME TO SIMRAN ASHISH JACOB FOR FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, IKRAR HAIDER S/o IBNE HAIDER R/o Plot No-52, Khasra No-873, Taj Enclave, Pipleahra, Dhaulana, Po: Dhaulana Dist: Ghaziabad uttar Pradesh-245301, declare that name of mine has been wrongly written as IKRAR ALI in my minor Daughter namely SAHAR, aged 14 years in her school record. The actual name of mine is IKRAR HAIDER, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I was previously known as Neha Rathi D/o Mr. Prakash Vir Rathi R/o Flat No. 05113, Tower No. 5, ATS Greens Paradiso, Plot No. GH 03, Sector CHI 4, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201312 and after being diagnosed with Gender Dysphoria under the supervision of registered medical practitioner in New Delhi, have changed my gender as Male. I henceforth be known as Veer Rathi, S/o Mr. Prakash Vir Rathi R/o Flat No. 05113, Tower No. 5, ATS Greens Paradiso, Plot No. GH 03, Sector CHI 4, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201312. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.
**Veer Rathi**

**सार्वजनिक सूचना**
यह सूचित किया जाता है कि श्री चिरंजी लाल शर्मा एवं श्रीमती मीना जांगिड़, संपत्ति/प्लॉट संख्या G-70/4 तथा नई संख्या G-70/4, जिसका क्षेत्रफल 52 वर्ग गज (अर्थात 43.5 वर्ग मीटर) है, जो खसरा संख्या 8/4 से निकाला गया है, स्थित ग्राम मटियाला, कॉलोनी जिसका नाम किरण गार्डन एक्सटेंशन, जैन पार्क, नजफगढ़ रोड के सामने, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित है, को श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं श्री प्रमोद शर्मा से क्रय करना चाहते हैं। श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं श्री प्रमोद शर्मा ने उक्त संपत्ति को श्री सनी बत्रा, पुत्र श्री रमेश बत्रा, से दिनांक 23.03.2015 के विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से क्रय किया था। कृपया ध्यान दें कि मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात दिनांक 05.12.2012 का विक्रय विलेख (पंजीकरण संख्या 28647) तथा दिनांक 27.12.2014 का त्याग पत्र (Release Deed) (पंजीकरण संख्या 8950), खो गए हैं। अतः उक्त संपत्ति के संबंध में ये मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उपरोक्त दस्तावेजों के खो जाने के संबंध में दिनांक 29.09.2015 को एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3249268/2025) दर्ज कराई गई थी। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana सुभाष नगर शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
**[ अश्वनी कुमार ] अधिवक्ता**
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

**NAME CHANGE**
I hitherto known as S. SHARMA W/o DULICHAND SHARMA R/o H. NO. B - 711 , New Ashok Nagar , Dist : East Delhi , Delhi - 110096 have changed my name and shall hereafter be known as SHAKUNTALA SHARMA

**NAME CHANGE**
It is for general information that I SHAISTA RAHMAN D/o ANWARUL HASNAIN MIRZA W/o ADNAN RAHMAN R/o G - 1205A Golfcity , Plot No . 8 , Sector - 75 Noida , Noida Sector 34 , Dist : Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201307 declare that name of mine and has been wrongly written as SHAISTA MIRZA in my Driving Licence No. DL - 0120140194835 and Voter ID No. XVP1106490 and as SHAISTA ANWAR MIRZA in my Service Record. The actual name of mine is SHAISTA RAHMAN , which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, Fathma W/o Abdul Samad R/o 3356, Bagichi Achhaji, Bara Hindu Rao, Delhi-110006 have changed my name to Fatima

**NAME CHANGE**
I, MADEENA BANU Mother of No-2707091W, Rank- NK, Name-DAULAT KATHAT, permanent residing at VILL Chittar (Jalki Ka Badiya) post Chittar teh. Raipur Distt pali 306102 have changed my name from MADEENA BANU to MADEENA for all future purposes, Vide Affidavit dated 16/03/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, LAXMAN KATHAT Father of No-2707091W, Rank- NK, Name-DAULAT KATHAT, permanent residing at VILL Chittar (Jalki Ka Badiya) post Chittar teh. Raipur Distt pali 306102 have changed my name from LAXMAN KATHAT to LAXMAN for all future purposes, Vide Affidavit dated 16/03/2026 before Notary Public Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
Mrs. Sunita Sajwan and Mr. Tarun Mittal Owner of the Residential CGEWHO Built up Type-A, Flat no 27 on 2nd floor in Phase-4, Block-4, at Kendriya Vihar II , Noida , Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. Mrs. Sunita Sajwan and Mr. Tarun Mittal have lost Original Allotment letter cum call up notice dated 18/03/2002 issued by CGEWHO in favour of Mr. Hemanta Kumar Pattanaik, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
**RAHUL KUMAR GUPTA**
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

**NAME CHANGE**
I Varsha Bhardwaj W/O Darshan Bhardwaj R/O B-232,3rd floor, hari nagar, west delhi , pin:110064, New Delhi (India)Changed my name to Versha Bhardwaj

**NAME CHANGE**
I, hitherto known as SAMANTRA W/O GAJENDER SINGH R/O 3/26 NEW NO-3/27, SAKET BLOCK, MANDAWALI FAZALPUR, LAXMI NAGAR, EAST DELHI, DELHI – 110092 have changed my name and shall hereafter be known as SUMAN.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as Kiran Dubey W/o Nitin Jain R/o Villa-5/2, Land-2, Jaypee Greens, Block-G, Greater Noida, Alpha, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed my name and shall hereafter be known as Kiran Jain.

**NAME CHANGE**
I Kiran Dubey W/o Nitin Jain R/o Villa-5/2, Land-2, Jaypee Greens, Block-G, Greater Noida, Alpha, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed the name of my minor son Akshansh Dubey aged 6 years and he shall hereafter be known as Akshansh Jain.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as Satendar Sharma S/o Roop Ram Sharma R/o 282, Sihani Kala, Nandgram Mariam Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Satendra Kumar.

**PUBLIC NOTICE**
Notice is hereby given by Mr. Sajan Haldar who is Purchasing the Shramik Kunj Residential Flat No.224-C, on Second floor, area measuring 19.70 sq. mtr in Block-SK-I, situated at sector-93, Noida Distt. Gautam Budh Nagar U.P from Mr. Kaliyan Singh, who is the owner of the bovementioned property vide Transfer Deed cum Sale Deed dated 20.05.2016 which is registered as Document No.5346 in Addl. Book No.1, volume no.7769 on pages 99-124 dated 20.05.2016 SRO-Noida-II and will be taking financial assistance from Aditya Birla Housing Finance Ltd. That The Original Allotment letter dated 22.02.2002, Original Possession certificate dated 26.03.2003 & Original Lease Deed dated 03.07.2014 executed by NOIDA in favour of Mr. Kaliyan Singh S/o Late Mr. Shankar Lal in respect of Residential Flat No.224-C, on Second floor, area measuring 19.70 sq. mtr Block-SK, Sector-93, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. are lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
**Khaitan & Khaitan**
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

**PUBLIC NOTICE**
"Be it know to all concerned that my client Mr. KOKIL CHANDAR DAS S/o Late Sh. KALI MOHAN DAS R/o House No. A-23, Shiv Vihar, Vikash Nagar, Gali No. 9, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059 hereby declare that he have Expelled, Disowned and Dis-inherited his son i.e. RUPAK DAS & daughter-in-law i.e. NEETU DAS W/o RUPAK DAS from his all movable, immovable properties whatsoever / whereever situated & Bank Deposits etc. He have also released all his relations with his above mentioned Son & Daughter-in-law for all intents and purposes, and my client hereby declare that he shall not be responsible for any of acts and omissions of his above mentioned son & daughter-in-law from hereto. Anybody dealing with them shall do so at his/her/their own Peril."
**GULSHAN CHANANA (Advocate)**
Enrolment No.: D/5869/2018

**NAME CHANGE**
I, NANDABAI Mother of No-15183884P Rank-HAV Name-KARDALE NILESH ONKARAPPA Presently residing at VPO-GUMMI, TEH+DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443001, have changed my name from NANDABAI to NANDABAI ONKARAPPA KARDALE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/03/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1949 vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, NO-6946213N Rank-HAV/SHGD Name-SUNIL KUMAR PANDEY residing at H NO-18/84, VILL-KARMCHARI NAGAR, PO-KRISHNA NAGAR, TEH & DISTT-KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH-208007 have changed my wife's name from KALPANA PANDEY to KALPNA PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, PRIYANKA D/O CHANDRAJEET ROY residing at WARD NO-5 MADHURI CHOUK BAHADURPUR SAMASTIPUR BIHAR -848101 have changed my name to PRIYANKA ROY for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, No-15489120L Rank-DFR Name-RAM SAHAY PATEL Presently residing at VILL-DEORI BAGHELAN, PO-DEORI SENGARAN, TEHSIL-NAIGARAHI, DIST-REWA, M.P-486340, have changed my father's name from INDRA BHAN PATEL to INDRABHAN PRASAD PATEL for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1938 instead of his correct date of birth as 01/01/1933 vide Affidavit dated 17-03-2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, No-15482693M Rank-DFR Name-KADAM VIKRAM ASHRAM residing at VILL-WADACHIWADI, PO-ANJANGAON (A U), TEH-MADHA, DISTT-SOLAPUR, MAHARASTRA-413209, have changed my father's name from ASARAM KADAM to KADAM ASHRAM JOTIRAM for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of his correct date of birth as 01/06/1956 vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, No-15482693M Rank-DFR Name-KADAM VIKRAM ASHRAM residing at VILL-WADACHIWADI, PO-ANJANGAON (A U), TEH-MADHA, DISTT-SOLAPUR, MAHARASTRA-413209, have changed my mother's name from VIJYA ASARAM KADAM to VIJAYA ASHRAM KADAM for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of his correct date of birth as 01/01/1968 vide Affidavit dated 17/03/2026 before Notary Public, Delhi.


## अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 84 BNSS देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) आर्यन पुत्र मुन्ना लाल निवासी मकान नंबर ए-2/44, जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली (2) अमन उर्फ एमडी पुत्र सुनील कुमार निवासी मकान नंबर ए-1/974, जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली और मकान संख्या बी-51, पंचशील विहार, मालवीय नगर, नई दिल्ली, और गाँव नगला पदम सिंह, थाना रबूपुरा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, (3) सौरभ उर्फ लेफ्टी पुत्र सुनील कुमार निवासी मकान संख्या ए-1/974, जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली, और गाँव नगला पदम सिंह, थाना रबूपुरा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 700/2025 U/s 103(1)/109(1)/3(5)61(2)/126(2)189(4)/190/191 भारतीय न्याय संहिता, अन्तर्गत थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि **उपर्युक्त सभी अभियुक्त** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **उपर्युक्त सभी अभियुक्त** फरार हो गए है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहे हैं)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 700/2025 U/s 103(1)/109(1)/3(5)61(2)/126(2)189(4)/190/191 भारतीय न्याय संहिता, अन्तर्गत थाना कालिंदी कुंज, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **(1) आर्यन (2) अमन उर्फ एमडी (3) सौरभ उर्फ लेफ्टी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
**श्री आजाद सहरावत**
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-10
कमरा नंबर 307, तीसरी मंजिल, दक्षिण-पूर्व जिला
साकेत न्यायालय, दिल्ली

DP/3389/SE/2026(Court Matter)

## अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनुज बंसल उर्फ अन्ने** पुत्र जितेंद्र बंसल निवासी मकान नं. 66, गांव गढ़ी, खेया लोनी देहात, गाजियाबाद, (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 625/2024 धारा 115(2)/126(2)/351(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अनुज बंसल उर्फ अन्ने** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अनुज बंसल उर्फ अन्ने** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 625/2024 धारा 115(2)/126(2)/351(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **अनुज बंसल उर्फ अन्ने** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **18.04.2026** को हाजिर हो।

**आदेशानुसार: श्री वैभव गर्ग,**
**न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11 (केन्द्रीय)**
**कमरा नं. 138, प्रथम तल**
**तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

DP/3408/N/2026

## उत्तर रेलवे

**ई-खुली निविदा सूचना**

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 07.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

| क्रम सं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत | धरोहर राशि | समापन अवधि |
|---|---|---|---|---|
| ए | सहायक मंडल अभियंता/ सम्पदा-।। के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/पंजाबी बाग के कार्य क्षेत्र में आरपीएसएफ ब्लॉक-A, इलेक्ट्रिक वर्कशॉप, प्रिंटिंग प्रेस में 3000 लीटर/घंटे के कमर्शियल आर.ओ के लिए दो साल की ऐएमसी और आरपीएफ और आरपीएसएफ में 500 लीटर/घंटे की क्षमता वाले 2 आरओ और दूसरी अलग-अलग क्षमता वाले आरओ कार्य हेतु और सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-। के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़ गंज के कार्य क्षेत्र में पी.के. रोड पर आर.ओ प्लांट कैप, 3000 LPH, सॉफ्टनिंग प्लांट, क्लोरीन डोजिंग पंप और फिल्ट्रेशन प्लांट का मेंटेनेंस कार्य हेतु। | रुपये 10996399.26 | रुपये 219900.00 | 24 महीने |
| बी | मंडल अभियंता/सम्पति-। के अधीन क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति के कार्य हेतु। | रुपये 17499946.54 | रुपये 350000.00 | 12 महीने |
| सी | मंडल अभियंता/सम्पति-।। के अधीन क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति के कार्य हेतु। | रुपये 17499946.54 | रुपये 350000.00 | 12 महीने |
| डी | सहायक मंडल अभियंता/हॉर्टिकल्चर/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/ हॉर्टिकल्चर/नई दिल्ली के कार्य क्षेत्र में लॉन/पार्क और हेज का वार्षिक रखरखाव सुधार कार्य हेतु। | रुपये 7499999.00 | रुपये 150000.00 | 16 महीने |
| ई | सहायक मंडल अभियंता/हॉर्टिकल्चर/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/ हॉर्टिकल्चर/सरोजनी नगर के कार्य क्षेत्र में CRS ऑफिस, नॉर्दर्न सर्कल, CRIS कॉम्प्लेक्स, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में किराए पर इनडोर, अच्छी तरह से विकसित सजावटी गमलों वाले पौधों की सप्लाई और मेंटेनेंस, जिनकी औसत ऊंचाई 1′ से 5′ हो और वरिष्ठ खंड अभियंता/हॉर्टिकल्चर बड़ौदा हाउस के कार्य क्षेत्र में हेडक्वार्टर ऑफिस बड़ौदा हाउस में और DRM ऑफिस नई दिल्ली, CPM/GSU, DRM ऑफिस नई दिल्ली में कंट्रोल रूम, C/CRS ऑफिस, रेलवे बोर्ड मीडिया सेंटर, TA बिल्डिंग और NRCH मेन एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में कार्य हेतु (2 वर्ष की अवधि के लिए)। | रुपये 29120546.40 | रुपये 582400.00 | 24 महीने |
| एफ | सहायक मंडल अभियंता/हॉर्टिकल्चर/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/ हॉर्टिकल्चर/बड़ौदा हाउस एवं खंड अभियंता/हॉर्टिकल्चर/हजरत निज़ामुद्दीन के कार्य क्षेत्र में बागवानी सामग्री की वार्षिक आपूर्ति कार्य हेतु। | रुपये 7496440.65 | रुपये 149900.00 | 12 महीने |
| जी | सहायक मंडल अभियंता/हॉर्टिकल्चर/नई दिल्ली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/ हॉर्टिकल्चर/बड़ौदा हाउस एवं खंड अभियंता/हॉर्टिकल्चर/हजरत निज़ामुद्दीन के कार्य क्षेत्र में बागवानी सामग्री की वार्षिक आपूर्ति कार्य हेतु। | रुपये 9999938.27 | रुपये 200000.00 | 12 महीने |

1. निविदा दिनांकः 07.04.2026 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्याः-128-डब्लयू/269/खुली निविदा सूचना/टेंडर नंः 35 (ए, बी,सी, डी, ई, एफ, जी) दिनांकः 16.03.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 896/2026


**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## दिव्यांग चौकीदार की कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने के दोषी को उम्रकैद

एजेंसी

**हिसार।** अदालत ने शांति नगर स्थित गौशाला में कुल्हाड़ी मारकर 40 वर्षीय दिव्यांग चौकीदार योगेश उर्फ सोनू की हत्या करने के मामले में दोषी करार दिए गए जींद निवासी कपिल उर्फ जितेंद्र को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दिए अपने फैसले में दोषी पर डेढ़ लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि अदालत ने कपिल उर्फ जितेंद्र को 12 मार्च को दोषी करार दिया था। मामले के एक अन्य आरोपी अमन को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। अदालत में चले मामले के अनुसार एचटीएम थाना पुलिस ने 22 अप्रैल 2023 को शिकायत के आधार पर हत्या का केस दर्ज किया था। राजीव नगर हाल किरायेदार देव वाटिका निवासी राजकुमार ने पुलिस को बताया था कि उसका बड़ा बेटा 40 वर्षीय योगेश उर्फ सोनू करीब चार साल से श्री श्याम भगवान कृष्ण कपिल गौशाला शांति नगर में चौकीदारी करता था। उसके साथ दो अन्य लड़के राजीव नगर निवासी अमन व जींद निवासी कपिल उर्फ जितेंद्र भी गौशाला में रहते थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि 22 अप्रैल 2023 को उसे सूचना मिली कि बेटे योगेश उर्फ सोनू की हत्या कर दी है। इस पर वह गौशाला मे अपने परिवार सहित पहुंचा तो देखा कि बेटे के पास काफी खून पड़ा है और एक कुल्हाड़ी पड़ी है। बेटे के सिर में चोट लगने से काफी खून निकला हुआ था। अमन व कपिल उर्फ जितेंद्र भी मौके से गायब थे।

## टावर लाइनों के कारण बेशकीमती जमीन हो रही कौड़ियों के भाव

**हिसार।** जिले के बालसमंद और आदमपुर क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने लघु सचिवालय में उपायुक्त महेंद्र पाल और एसडीएम ज्योति मित्तल के साथ बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान किसानों ने खेतों के बीच से गुजर रही पावरग्रिड की हाई टेंशन बिजली टावर लाइनों से होने वाले नुकसान और भविष्य के खतरों पर कड़ा ऐतराज जताया। किसानों ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम ज्योति मित्तल को सौंपा। बैठक का नेतृत्व पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा के राज्य कमेटी सदस्य व हिसार ब्लॉक-2 सचिव अनिल गोरछी और बालसमंद किसान सभा के प्रधान एवं पार्षद प्रतिनिधि संदीप धीरणवास ने किया। इसमें किसानों की पांच प्रमुख मांगे रखी और स्पष्ट किया कि टावर लाइनों के कारण उनकी बेशकीमती जमीन कौड़ियों के भाव हो रही है। समिति ने सोमवार को मांग उठाई कि हाई टेंशन लाइन के नीचे काम करते समय यदि किसी किसान या मजदूर के साथ कोई हादसा होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और पावरग्रिड की हो। इसके लिए पुख्ता सुरक्षा गारंटी और विशेष मुआवजे का प्रावधान किया जाए, टावर और तारों के नीचे आने वाली पूरी जमीन का मुआवजा वर्तमान मार्केट रेट के हिसाब से दिया जाए।

## गुरुग्राम-सोहना रोड पर चलती गाड़ी में लगी आग

**गुरुग्राम।** यहां सोहना रोड स्थित घामड़ोज टोल के पास एक चलती कार में अचानकआग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। गाड़ी से धुआं निकलने का पता लगते ही मालिक ने गाड़ी को तुरंत रोक दिया और नीचे उतर गए। इसके बाद तुरंत ही गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई। जानकारी के अनुसार शोभित खन्ना कार में सवार होकर सोहना से गुरुग्राम आ रहे थे। जैसे ही वे घामड़ोज टोल के पास पहुंचे तो गाड़ी से धुआं निकलने का उन्हें पता चला और उन्होंने तुरंत ही गाड़ी को रोक दिया। इसी बीच गाड़ी में आग भभक गई और गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। इस दौरान वहां से गुजरने वाले वाहनों का भी जाम लग गया। आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही थी और लोग सहमे हुए थे। घटना की सूचना पाकर दमकल विभाग से कर्मचारी गाड़ियां लेकर पहुंचे और आग बुझाना शुरू की। कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया, तब तक गाड़ी पूरी तरह से जल चुकी थी।

## बिजली निगम कर्मियों ने एसई कार्यालय पर दिया धरना

**जींद।** हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित एचएसईबी वर्कर यूनियन के आह्वान पर बिजली निगम कर्मियों ने कार्यकारी अभियंता विकास मलिक की कर्मचारी विरोधी कार्यशैली को लेकर धरना दिया। धरने की अध्यक्षता यूनिट प्रधान हरिओम ने की व मंच का संचालन यूनिट सचिव धर्मवीर बैरागी ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कार्यकारी अभियंता द्वारा कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। कार्यकारी अभियंता द्वारा उपमंडल अधिकारी पर दबाव बना कर कर्मचारियों को अनुपस्थित दर्शाया जाता है। जब कि श्रम इंचार्ज द्वारा उपस्थित का सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। गलत तरीके से दबाव बना कर कर्मचारियों की सेलरी रोकी जाती है।

अधिकारियों को दरकिनार करके बेवजह कर्मचारी को तंग किया जा रहा है। कार्यकारी अभियंता कार्यालय में बैठ कर समाधान नहीं करते तो बुधवार से वर्क सस्पेंड करने पर फैसला लिया जाएगा। पूर्व उपमहासचिव राजेश शर्मा, पूर्व उप राज्य प्रधान राजा शामदो, राजेश आसन ने कहा कि जब तक कार्यकारी अभियंता द्वारा कर्मचारी को उपस्थिति दर्शा कर सैलरी जारी नहीं की जाती तब तक धरना चलता रहेगा व उपमंडल अधिकारी को दंडित नही किया जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। यूनियन ने फैसला लिया कि कार्यकारी अभियंता जिस भी सब डिवीजन में जाएंगे, उसी सब डिवीजन में इनका घेराव किया जाएगा। इस मौके पर अनिल पूनिया, राजबीर ढिल्लो, कर्मबीर, सीता राम, सुरेश, दर्वेश, विकास, सुनील मुंडे, जगदीश गोयत, सुरेंद्र कौशिक, सुरेंदर जागलन सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

# हरियाणा राज्यसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मंगलवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनावों में एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली। इन चुनावों के दौरान वोट की गोपनीयता के उल्लंघन और क्रॉस-वोटिंग की शिकायत देखने को मिली। ये सीटें भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर बौद्ध ने जीतीं। भाजपा समर्थित इंडिपेंडेंट कैंडिडेट सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा। 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल के दो विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे।

90 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा के पास 48 सीटें हैं, कांग्रेस के पास 37 सीटें, इंडियन नेशनल लोकदल के पास दो सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों के पास तीन सीटें हैं। सोमवार शाम 4 बजे जब वोटों की गिनती पूरी हुई, तो दोनों पार्टियों के नेताओं ने अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत का दावा किया। हालांकि, भारत निर्वाचन आयोग से हरी झंडी मिलने के बाद देर रात वोटों की गिनती शुरू हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि चुनाव की निष्पक्षता में दखल देने की कोशिशें की जा रही हैं। मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए, उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया कि नतीजों की घोषणा से पहले वे पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करें। हालांकि, भाजपा ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान कांग्रेस के दो विधायकों परमवीर सिंह और भारत सिंह बेनीवाल ने गोपनीयता का उल्लंघन किया। कांग्रेस ने परिवहन मंत्री अनिल विज पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिन का पहला वोट डाला। विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार ने दो सीटों में से एक पर जीत हासिल की है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'यह हमारी जीत है।' क्रॉस-वोटिंग के डर से, कांग्रेस पार्टी, जिसके 90-सदस्यीय सदन में 37 विधायक हैं, उन्होंने अपने विधायकों को हिमाचल प्रदेश के रिसॉर्ट्स और होटलों में भेज दिया। उनमें से छह विधायक निजी कारणों से हिमाचल नहीं गए। रविवार रात को कांग्रेस ने 31 विधायकों को शिमला से कसौली भेज दिया। पार्टी के महासचिव और हरियाणा के प्रभारी बी.के. हरिप्रसाद और रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ, सोमवार सुबह विधायकों को कड़ी सुरक्षा के बीच उनके होटल से सीधे चंडीगढ़ ले जाया गया।

## हरियाणा विधानसभा में सदन सदस्यों ने दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन में शोक प्रस्ताव पढ़ते हुए हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की माता प्रेम कौर कल्याण के निधन तथा गुरुग्राम में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर हुए हादसे में 7 लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेम कौर कल्याण का 13 मार्च, 2026 को हुआ निधन अत्यंत दुःखद है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने 9 मार्च को गुरुग्राम में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर मिट्टी के नीचे दबने से 7 लोगों की हुई दुःखद एवं असामयिक मृत्यु पर भी गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक घटना है और इस हादसे में दिवंगतों के परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके अलावा जींद जिले के सफीदों क्षेत्र में हुए हादसे में महिला श्रमिकों की मृत्यु पर भी गहरा दुःख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुःख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने भी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक व्यक्त किया। नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी पार्टी की ओर से दिवंगतों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

इसके पश्चात सदन के सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

## नहर में डूब रहे बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला

एजेंसी

**सिरसा।** सिरसा जिले के नाथूसरी चोपटा क्षेत्र से गुजर रही बरूवाली नहर में डूबते बच्चे को एक व्यक्ति ने अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में छलांग कर बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान चोपटा में लाइब्रेरियन के पद पर कार्यरत संदीप कुमार व चालक सुशील कुमार सोमवार शाम चोपटा की तरफ आ रहे थे। रास्ते में बरूवाली नहर में एक बच्चे को डूबता हुआ देखा तो संदीप कुमार ने नहर में छलांग लगा दी और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि यह पुष्टि नहीं हो पाई कि बच्चा नहर में कैसे गिरा। बताया जा रहा है कि नहर किनारे नाथ समुदाय के परिवार रहते हैं जो कि अक्सर नहाने के लिए नहर में जाते हैं। संभवतः बच्चा हन्नी भी नहर में नहाने के लिए उतरा हो, लेकिन तैरना न आने के कारण वह नहर में बहने लगा।

संदीप कुमार ने बच्चे को बहता हुआ देखा तो वह नहर में कूदा और हन्नी को सुरक्षित बाहर निकाला लिया। बच्चे को उसके परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने संदीप कुमार व सुशील कुमार का आभार जताया है।

## भाजपा ने देश और प्रदेश में विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई परंपरा स्थापित की : अशोक

एजेंसी

**जींद।** मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा ने कहा है कि वर्ष 2014 के बाद देश और प्रदेश में विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई परंपरा स्थापित हुई है। केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं ने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा सोमवार को जींद जिले के पिंडारा, गतौली और जुलाना मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत आयोजित कार्यशालाओं में मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का तुलनात्मक अध्ययन

कार्यकर्ताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश और प्रदेश में विकास की नई दिशा और गति देखने को मिली है। केंद्र सरकार की योजनाओं ने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में चार करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। जबकि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से नौ करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत किया गया है। कार्यशाला के दौरान उन्होंने संगठन के सिद्धांतों, विचारधारा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

# कैथल में एसपी के निर्देश,लंबित मामलों को जल्द निपटाएं पुलिस अधिकारी

एजेंसी

**कैथल।** जिला पुलिस लाइन कैथल में पुलिस अधीक्षक उपासना की अध्यक्षता में क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में जिले में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे और पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एसपी उपासना ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गंभीर व जघन्य अपराधों की जांच में तेजी लाई जाए और समयबद्ध तरीके से मामलों का निपटारा किया जाए। हत्या, हत्या के प्रयास, दुष्कर्म, पोक्सो और अन्य हिंसक अपराधों के मामलों में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का पहला कर्तव्य अपराधियों को पकड़कर आमजन को सुरक्षित माहौल देना है। एसपी ने थाना व चौकी स्तर पर आने वाले परिवादियों के साथ मधुर एवं शालीन व्यवहार करने और उनकी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर न्याय दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही जल्द सुलझाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उद्घोषित अपराधियों,

पुलिस कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के लिए भी कहा गया। बैठक में साइबर अपराधों पर नियंत्रण को लेकर भी चर्चा की गई और संबंधित मामलों को बेल जम्परों और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार उनकी संपत्तियों की कुर्की करने के निर्देश भी दिए गए।

एसपी उपासना ने नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि नशा मुक्त गांव और वार्डों में नशा करने वालों की पहचान कर उनकी लत छुड़वाने के प्रयास किए जाएं। बैठक में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने, क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। एसपी ने सभी अधिकारियों को अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निपटारे और बेहतर पुलिसिंग के लिए गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएसपी बीरभान, डीएसपी ललित कुमार, डीएसपी गुरविंद्र सिंह, डीएसपी कुलदीप बेनीवाल और डीएसपी सुशील प्रकाश सहित सभी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और विभिन्न क्राइम यूनिट के इंचार्ज मौजूद रहे।

## डीएमसी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दिए निर्देश

एजेंसी

**कैथल।** जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) कपिल शर्मा ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास रोड के निर्माण कार्य तथा विद्क्यार झील से गंदा पानी निकालने की प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

डीएमसी ने छात्रावास रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क बनाने से पहले फुटपाथ का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जाए। साथ ही विद्क्यार झील से गंदे पानी को निकालने के कार्य की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि झील से गंदा पानी निकालकर उसमें स्वच्छ जल भरा जाएगा। इस कार्य पर करीब 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान डीएमसी के साथ नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता वरुण शर्मा और कनिष्ठ अभियंता संदीप धीमान भी मौजूद रहे।

छात्रावास रोड शहर का प्रमुख मार्ग है, जो लंबे समय से खराब स्थिति में है।

सड़क पर गहरे गड्ढे होने के कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी होती है, जबकि बरसात के दिनों में यहां जलभराव की समस्या भी बनी रहती है। दुकानदार लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे। अब करीब 80 लाख रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों ने डीएमसी से मांग की कि सड़क निर्माण में बेहतर सामग्री का उपयोग किया जाए तथा फुटपाथ के साथ नई स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएं।

## इस वर्ष 482 करोड़ कमाई व 678 करोड़ खर्च करेगा मानेसर नगर निगम

एजेंसी

**गुरुग्राम।** नगर निगम मानेसर के सदन की विशेष बैठक आईएमटी सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने की। बैठक में वित्त वर्ष 2026-2027 के बजट पर विस्तृत चर्चा की गई। सदन ने सर्वसम्मति से बजट को मंजूर किया।निगम सचिव एवं उप-निगम आयुक्त अपूर्व चौधरी ने बजट को सदन के पटल पर रखते हुए बताया कि वित्त वर्ष में नगर निगम मानेसर द्वारा 678 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इसी प्रकार करीब 482 करोड़ रुपये की वार्षिक आय की जाएगी। चीफ अकाउंट्स ऑफिसर संजय कुमार ने सदन को बताया कि निगम वित्त वर्ष में स्टॉप ड्यूटी व सेस से अनुमानित 200 करोड़ रुपये अर्जित करेगा। इसके अलावा सेल, ऑक्शन से 50 करोड़, रेंट,लीज से करीब ढाई करोड़ रुपये, सरकारी ग्रांट से 86 करोड़ रुपये व फीस के तौर पर करीब 16 करोड़ रुपये और प्रॉपर्टी टैक्स के रुप में 75 करोड़ 50 लाख रुपये की आय करेगा। स्टाफ की सेलरी व अन्य पर करीब 35 करोड़ रुपये, 17 करोड़ रुपये से प्रशासनिक खर्च, सफाई और वेस्ट मैनेजमेंट पर करीब 86 करोड़ रुपये, ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस पर करीब 47

करोड़ रुपये, निगम क्षेत्र में विकास कार्यों पर करीब 480 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान रखा गया है। वार्षिक बजट को सदन ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। बजट प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा। बजट पर पूरे सदन की सहमित मिलने पर मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने सदन का धन्यवाद किया। इस दौरान पार्षदों से सुझाव भी लिए गए। आयुक्त प्रदीप सिंह ने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से बजट को लेकर सुझाव मांगे। इस पर पार्षदों ने अपने सुझाव दिए। सुझावों को सुनते हुए आयुक्त ने कहा कि सभी वॉर्डों में पारदर्शी तरीके से विकास के काम होंगे। आयुक्त ने सदन को बताया कि निगम क्षेत्र में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित करने की योजना है। इस प्लांट के लगने के बाद निगम क्षेत्र में कूड़े से संबंधित समस्या से निजात मिलेगी। इसी के साथ इस प्लांट से बिजली पैदा की जाएगी। सदन ने सफाई कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के लिए आयुक्त से आग्रह किया। इस पर आयुक्त ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से इस विषय पर आग्रह करेंगे। इसके अलावा आयुक्त ने सदन को बताया कि नगर निगम कार्यालय के लिए एचएसआईआईडीसी ने निगम को जमीन देने के लिए हामी भर दी है। जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएगी। बजट में निगम कार्यालय के निर्माण के लिए भी 90 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।

## तेज हवा और बारिश से खेतों में गिरी गेहूं की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता

एजेंसी

**यमुनानगर।** यमुनानगर के रादौर क्षेत्र में रात चली तेज हवाओं और हुई बारिश के बाद कई स्थानों पर गेहूं की फसल खेतों में गिरने की सूचना मिली है। फसल के जमीन पर झुक जाने से किसानों में उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों के अनुसार इस समय गेहूं की फसल दाने की अवस्था में है और अधिकांश खेतों में फसल पकने के करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में अचानक मौसम बदलने से कई खेतों में खड़ी फसल प्रभावित हुई है। कुछ स्थानों पर तेज हवा के कारण पौधे झुक गए, जिससे किसानों को पैदावार घटने की आशंका सता रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि यदि फसल लंबे समय तक जमीन पर गिरी रहती है तो कटाई के समय परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नमी अधिक रहने पर दानों की गुणवत्ता भी प्रभावित होने की संभावना रहती है। ऐसे में किसान मौसम साफ होने और फसल के फिर से खड़ी होने की उम्मीद लगाए हुए हैं। किसानों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव का असर फसलों पर दिखाई दे रहा है। तेज हवा के साथ हुई बारिश ने कई खेतों में गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि अधिकांश किसान अभी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और मौसम सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। इस संबंध में कृषि विकास अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि देर रात आई तेज हवा और बारिश के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों से फसल के गिरने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल इससे उत्पादन पर बड़े स्तर पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि मौजूदा मौसम को देखते हुए इस समय गेहूं की फसल में सिंचाई करने से बचें। मौसम पूरी तरह साफ होने तक इंतजार करना उचित रहेगा। साथ ही किसानों को खेतों का नियमित निरीक्षण करते रहने की भी सलाह दी गई है, ताकि किसी प्रकार की समस्या सामने आने पर समय रहते उसका समाधान किया जा सके।

## फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना से जुड़े पहलुओं से करवाया अवगत

एजेंसी

**सिरसा।** जनगणना-2027 की तैयारियों बारे जिला के पंचायत भवन में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत हुई। कार्यशाला में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हिमांशु व एसोसिएट प्रोफेसर एवं मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र कुमार द्वारा फील्ड ट्रेनर्स अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की प्रक्रिया, आंकड़ों के संग्रह की विधि तथा डिजिटल माध्यम से जानकारी दर्ज करने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना कार्य को सही ढंग से संपन्न करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। नगराधीश अजय सिंह ने सोमवार को कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक है। इसके आधार पर सरकार द्वारा विभिन्न विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं। इसलिए जनगणना कार्य में प्रत्येक नागरिक का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपील की कि वे इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न करें। जाएगा। इस चरण में गणनाकार घर-घर जाकर परिवारों से जानकारी एकत्रित करेंगे और नागरिकों से कुल 34 प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों के

जनगणना-2027 के अंतर्गत नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत कोई भी नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्वयं अपने घर की गणना ऑनलाइन माध्यम से पोर्टल पर दर्ज कर सकेगा। इससे जनगणना की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सरल बनाने में सहायता मिलेगी। डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हिमांशु ने बताया कि जनगणना का पहला चरण 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसे हाउस लिस्टिंग चरण कहा माध्यम से परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की जाएगी। मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र कुमार ने कार्यशाला के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, आंकड़ों की गोपनीयता तथा सही जानकारी एकत्रित करने के महत्व के बारे में भी अवगत करवाया। साथ ही जनगणना कार्य में तकनीकी उपकरणों और डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग की जानकारी भी विस्तार से दी गई।

## सीएम घोषणाओं को गंभीरता से लें अधिकारी,डीसी ने बैठक में ली रिपोर्ट

एजेंसी

**कैथल।** जिला उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को सभी विभाग गंभीरता से लें और जिन परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, उन्हें निर्धारित समयावधि में पूरा करवाया जाए। ज्यादा समय से लंबित घोषणाओं को पूरा करने में तकनीकी या विभागीय बाधाओं को दूर करवाते हुए, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाएं ताकि लोगों को इन प्रोजेक्टस का लाभ मिल सके। सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न होने दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहीं थीं। डीसी ने मुख्य रूप से सिटी स्क्वायर, क्योड़क में बन रहे पशु विश्वविद्यालय के रीजनल केंद्र, धनौरी के महिला कॉलेज, संस्कृत विश्वविद्यालय, कबड्डी अकादमी पाई सहित कई परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने गांव धेरडू में पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुके फार्मेसी कॉलेज के मामले में आगामी पत्राचार के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी-अपनी परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर संबंधित पोर्टल पर अपडेट करें और लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। बैठक में बताया गया कि जिले में मुख्यमंत्री की अब तक कुल 405 घोषणाएं हुई हैं, जिनमें से 261 कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 97 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। वहीं 26 घोषणाओं को गैर-व्यवहार्य घोषित किया गया है तथा 21 परियोजनाएं अभी लंबित हैं।

## यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई 444-दिन एफडी योजना, उम्र के हिसाब से लाभ

**- बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक**

**नई दिल्ली ।** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने निवेशकों के लिए अपनी नई 444-दिन फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना पेश की है। बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक चुनी जा सकती है। यह विशेष योजना उन लोगों के लिए है जो करीब डेढ़ साल के लिए सुरक्षित और सुनिश्चित लाभ चाहते हैं। इस एफडी योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उम्र के अनुसार ब्याज दरें बढ़ती हैं। आम नागरिकों (60 साल से कम उम्र) के लिए ब्याज दर 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों (60 साल से अधिक) के लिए 7.10 फीसदी और सुपर वरिष्ठ नागरिकों (80 साल से ऊपर) के लिए 7.35 फीसदी तय की गई है। मान लीजिए कोई निवेशक इस योजना में 2 लाख रुपये जमा करता है तो आम नागरिक को 2,16,577 रुपये (16,577 रुपये ब्याज), वरिष्ठ नागरिक को 2,17,876 रुपये (17,876 रुपये ब्याज) और सुपर वरिष्ठ नागरिक को 2,18,528 रुपये (18,528 रुपये ब्याज)`` मिलेगा। सरकारी बैंक होने के कारण इस एफडी में निवेश पूरी तरह सुरक्षित है। बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं है, और तय अवधि के बाद गारंटीड आय सुनिश्चित होती है।

## रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर खुला

**- रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।** रुपया मंगलवार के कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

## भारत वाणिज्य मंडल ने की निर्यातकों के लिए बैंकिंग राहत की मांग

**- पश्चिम एशिया में तनाव से शिपिंग प्रभावित, व्यापार मंडल ने आरबीआई को लिखा पत्र**

**कोलकाता ।** भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वित्तीय राहत देने के लिए उपाय करने का आग्रह किया है। मंडल ने कहा कि यह क्षेत्र न केवल भारतीय निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप और अफ्रीका जाने वाले माल के लिए महत्वपूर्ण 'ट्रांस-शिपमेंट' केंद्र भी है।

# टाटा कमर्शियल वाहन 1 अप्रैल से 1.5 फीसदी तक हो जाएंगे महंगे

**- कंपनी ने कहा, कच्चे माल और अन्य इनपुट लागत बढने से बढ़ाना पड़ रहे दाम**

**मुंबई ।**

टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से उसके कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक वृद्धि की जाएगी। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल और अन्य इनपुट लागतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण यह कदम उठाया गया है। कीमत बढ़ोतरी सभी कमर्शियल वाहनों पर लागू होगी, लेकिन मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अंतर हो सकता है। कंपनी ने कहा कि यह बढ़ती उत्पादन लागत का संतुलन बनाने के लिए जरूरी है। विश्लेषकों का कहना है कि जल्द ही टाटा कारों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए यदि आप टाटा कार खरीदने का सोच रहे हैं, तो अब निर्णय लेना फायदेमंद होगा। टाटा नेक्सन कंपनी की टॉप सेलिंग कार है। टाटा नेक्सन की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 7.31 लाख रुपये है। टाटा पंच भी कंपनी की टॉप सेलिंग कारों में से एक हैं। ऐसे में आप टाटा पंच को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा पंच की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 5.59 लाख रुपये है। टाटा टियागो भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जिसे आप खरीदने के बारे में सोच सकते हैं. टाटा टियागो की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 4.57 लाख रुपये है। आप चाहे तो टाटा अल्ट्रोज और टाटा हैरियर को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 6.30 लाख रुपये है। वहीं टाटा हैरियर की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 12.89 लाख रुपये है।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.37 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

## कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

**- संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी**

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कॉर्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव मॉडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पॉवर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

### सेंसेक्स 567, निफ्टी 172

**मुम्बई।** भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक की तेजी के साथ ही 23,581.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निवेशकों ने ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई व अमेरिकी बाजारों की तेजी से भी कारोबार बढ़ा। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और नैस्डैक में अच्छी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। एशियाई बाजारों से मिले बेहतर संकेतों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे बाजार की दिशा ऊपर की ओर बनी रही। कारोबार के दौरान` निफ्टी बढ़त के साथ 23,503.95 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 280.68 अंक चढ़कर 75,768.53 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से मेटल और ऑटो कंपनियों में आई खरीदारी के कारण रही। हालांकि आईटी सेक्टर में कमजोरी का रुख बना रहा।

इंफोसिस,` विप्रो और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आईटी इंडेक्स पर दबाव बना और यह सेक्टर दिन का सबसे कमजोर सेक्टर रहा। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में शुरुआती गिरावट के बाद सुधार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। सेक्टर आधारित प्रदर्शन में फार्मा सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां मजबूत खरीदारी दर्ज की गई।

# कास्परस्की भारत में निवेश दोगुना कर बनाएगी क्षेत्रीय साइबर हब

**- भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे**

**नई दिल्ली ।** वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी भारत को क्षेत्रीय सेवाओं का केंद्र (हब) बनाने पर जोर दे रही है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकारी ने कहा कि भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने बताया कि 2024 में कास्पर्स्की ने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा कि 2025 के वित्तीय परिणाम और भी बेहतर रहने की संभावना है। कंपनी केवल कार्यालय और कर्मचारियों में निवेश ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रही है।

उन्होंने संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है, तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कंपनी स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर ध्यान देगी।

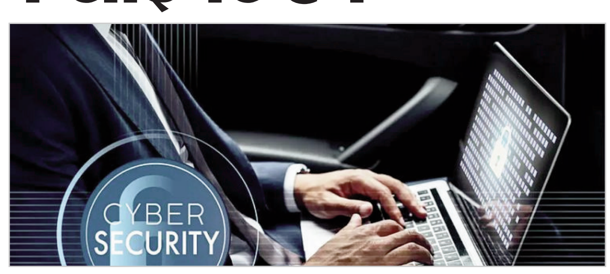


अधिकारी ने चेतावनी दी कि 2026 में साइबर हमले बढ़ सकते हैं। 2025 में कास्पर्स्की ने भारत में 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका।

उन्होंने कहा कि डीपफेक जैसे खतरे एआई उपकरणों की आसान उपलब्धता के कारण तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग जरूरी हो गया है।

उन्होंने माना कि एआई बुनियादी अकाउंटिंग, सॉफ्टवेयर कोडिंग और वेब प्रबंधन जैसे कार्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सभी को खुद को अपग्रेड करने और कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की सलाह दी।

## एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

**- ये फर्में हैं पीडब्ल्यूसीए, बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स**

**नई दिल्ली ।** भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की हैं, जिनमें प्राइस वॉटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-ऑडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेज़ीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त ऑडिट प्रक्रियाओं का सबूत नहीं मिला। एक ऑडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-ऑडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

# बाजार गिरा, जा निए निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

### समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है

**नई दिल्ली ।** दिल्ली के एक नागेरिक पिछले छह साल से म्युचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। इस बार जब उन्होंने अपने निवेश ऐप खोला तो स्क्रीन पर लाल रंग ज्यादा दिखाई दिया। बाजार में गिरावट के कारण उनके इक्विटी फंड का मूल्य कम हो गया। उनके मन में सवाल आया, क्या मुझे इक्विटी से पैसे निकालकर डेट फंड में डाल देना चाहिए? विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में घबराहट में निर्णय लेना सबसे बड़ी गलती हो सकती है। द वेल्थ कंपनी म्युचुअल फंड के अनुसार, बाजार में गिरावट अक्सर निवेशकों को इमोशनल बना देती है। ऐसे समय में तुरंत फैसला लेने के बजाय अपने निवेश के उद्देश्य, समय सीमा और एसेट एलोकेशन पर ध्यान देना जरूरी है। इतिहास बताता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य हैं और सही रणनीति अपनाने वाले निवेशकों के लिए गिरावट अवसर भी बन सकती है। एक को-फाउंडर कहते हैं कि अचानक पोर्टफोलियो बदलना नुकसानदेह हो सकता है। लंबी अवधि के लिए इक्विटी बेहतर होती है, जबकि पैसे की जरूरत कम या मध्यम समय में है, तो डेट फंड या अच्छे क्वालिटी वाले बॉन्ड सुरक्षित विकल्प हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय एसेट एलोकेशन महत्वपूर्ण होती है। निवेश को अलग-अलग साधनों में बांटकर रखना जोखिम कम करता है। म्युचुअल फंड विशेषज्ञ कहते हैं कि समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है और कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता है। गिरावट के समय` एसआईपी निवेश करने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जिससे लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है। इसे रुपये लागत औसत कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए। गिरावट में इक्विटी छोड़कर डेट फंड में जाना हमेशा सही नहीं होता। लंबी अवधि की योजना, पोर्टफोलियो संतुलन और धैर्य सबसे बड़े लाभ की कुंजी हैं।

## राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से

**जयपुर ।**

राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से शुरू होगी। अधिकारियों ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत कृषि जीन्स सरसों एवं चना की समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू की जा रही है। पंजीकृत किसान एक अप्रैल से इन फसलों की खरीद करेंगे। सहकारी समितियां (जयपुर ग्रामीण) के एक अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंड के तहत चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,875 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों का 6,200 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। किसानों की सुविधा एवं खरीद से संबंधित किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए 'टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर' 1800-180-6001 भी उपलब्ध कराया गया है। जयपुर जिले में कुल 42 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं।

## भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है- नैसकॉम

### कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को दे रही प्राथमिकता

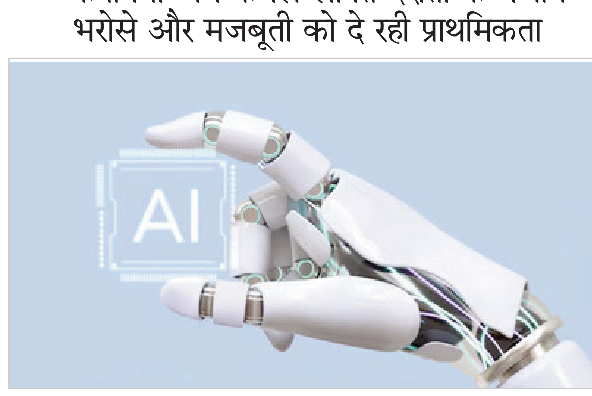


**नई दिल्ली** वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच, कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं। नैसकॉम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को 'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में कहा कि इस बदलते परिदृश्य में भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

नांबियार ने बताया कि निर्यात पर निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग अब असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों और कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीकों को बदल दिया है। अब दक्षता महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्णय लेने में मजबूती और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही हैलिए एक विशाल और विविध प्रयोगशाला है। देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और अन्य उद्योग में 30-40 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये प्रतिभाएं एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रही हैं। नांबियार ने आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा कि ये दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं। उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता और परस्पर संचालन जैसे सिद्धांत वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पसंदीदा साझेदार बनने का आधार केवल प्रौद्योगिकी नहीं, बल्कि साझा मूल्य और साझा आकांक्षाएँ भी हैं।

# कच्चे तेल में उछाल, फिर भी भारत में पेट्रोल-डीजल स्थिर

### खाड़ी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा से बढ़ीं वैश्विक कीमतें

**नई दिल्ली ।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है, जो 136 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है।

यह जलमार्ग दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है, जिससे संकट और गहरा गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर भारत की तेल आयात लागत पर पड़ा है। इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है। इसके बावजूद, देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार फिलहाल कीमतों में वृद्धि से बच रही है। इसके पीछे राज्य चुनाव और महंगाई को नियंत्रित रखने की रणनीति अहम कारण मानी जा रही है। तेल कंपनियां अपने मार्जिन में कटौती कर नुकसान झेल रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं पर तत्काल बोझ न पड़े। हालांकि, यह स्थिति लंबे समय तक बने रहना मुश्किल है। यदि अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही

# राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

ललित गर्ग

**इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।**

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मयार्दाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा।

## संपादकीय

### जन्मदात्री की रक्षा

हालांकि, पंजाब में पिछले दिनों सामने आए मातृ स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े कुछ हद तक उम्मीद जरूर जगाते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। राज्य में बच्चे को जन्म देने के दौरान मातृ मृत्यु दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जो निश्चित रूप से गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माताओं की सेहत की सुरक्षा करने में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की क्षमता में क्रमबद्ध सुधार का ही संकेत देती है। लेकिन, इस मामूली गिरावट के बावजूद एक गंभीर चिंता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि प्रगति अभी भी धीमी व असमान गति वाली है। दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दशार्ती है। इसके बावजूद अभी पंजाब में मातृ स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की काफी गुंजाइश है। विशेष रूप से तब जब कि कई जिलों में मातृ मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां जरूरी हो जाता है कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाए। हालांकि, पहले इस दिशा में आशातीत प्रगति दर्ज की गई थी। लेकिन अब हरियाणा की मातृ मृत्यु दर यानी एमएमआर के नवीनतम मूल्यांकन चक्र में स्थिति लगभग अपरिवर्तित ही नजर आती है। निश्चित तौर पर आंकड़ों में देखी जा रही यह स्थिरता सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में एक आम चुनौती को ही उजागर करती है। निर्विवाद रूप से प्रारंभिक स्तर पर किए गए सुधार अक्सर त्वरित लाभ देते हैं, लेकिन जरूरी है कि इस दिशा में प्रगति को अनवरत बनाया रखा जाए। निस्संदेह, इस प्रगति के लिये निरंतर गहन संरचनात्मक परिवर्तनों की जरूरत होती है। वास्तव में मातृ स्वास्थ्य रक्षा के लिये कई मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में केवल अस्पतालों और योजनाओं में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता है। बल्कि गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, समय रहते रेफरल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की निरंतर निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, पंजाब में स्वास्थ्य संबंधी ऑडिट से पहले ही प्रणालीगत खामियों की ओर संकेत मिला है। जैसा कि निदान में देरी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का खराब प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच कमजोर समन्वय का होना भी है।

## चिंतन-मनन

### ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाद का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

# जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

सौरभ वार्ष्णेय

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ-साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरू से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थी–एक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु-आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुक्कत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही।

इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दशार्ता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है।

हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है। यह संदेश भी देता है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत अपने हितों की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है।

*लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।*

# पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में पुनर्चक्रण की भूमिका

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 18 मार्च को विश्वभर में वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस (ग्लोबल रीसाइक्लिंग डे) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वास्तव में पुनर्चक्रण हमारे ग्रह और मानवता के भविष्य को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हर वर्ष पृथ्वी अरबों टन प्राकृतिक संसाधनों का उत्पादन करती है, लेकिन एक समय ऐसा भी आएगा जब ये संसाधन या तो समाप्त हो जाएंगे या बहुत कम मात्रा में उपलब्ध रह जाएंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस बात पर गंभीरता से विचार करें कि हम क्या फेंक रहे हैं और कैसे फेंक रहे हैं। हमें कचरे को केवल बेकार वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक संभावित संसाधन और अवसर के रूप में देखना चाहिए। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पिछला दशक(वर्ष 2015 से 2024 तक) अब तक का सबसे गर्म दशक रहा है और आज पूरी दुनिया अभूतपूर्व जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है।वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जबकि उससे पहले 2023 ने भी तापमान के नए रिकॉर्ड बनाए थे। इसके अतिरिक्त 2016, 2020 और 2019 भी अत्यधिक गर्म वर्षों में शामिल हैं। वास्तव में इस बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और मानवीय गतिविधियाँ मानी जाती हैं, जिसके कारण दुनिया भर में हीटवेव और तापमान के नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं। हाल फिलहाल,यदि हम समय रहते महत्वपूर्ण और त्वरित परिवर्तन नहीं करते, तो वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, हिमनदों और बर्फ की चोटियों का तेजी से पिघलना, महाद्वीपों में आग लगना, तेजी से वनों की कटाई, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं की घटनाएँ बढ़ती जाएँगी। इन परिस्थितियों का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ती है, विस्थापित समुदायों का पलायन होता है, नौकरियों में कमी आती है, कचरे के विशाल ढेर लगते हैं और प्राकृतिक आवास नष्ट होते जाते हैं। ऐसे में पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आता है।

वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस की स्थापना ग्लोबल रीसाइक्लिंग फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसे पहली बार 18 मार्च 2018 को मनाया गया था। हर वर्ष इस दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी- बाधाओं को तोड़नाः कचरा प्रबंधन संकट के लिए एक क्रांतिकारी खाका। जबकि वर्ष 2026 की थीम है-पुनर्चक्रण के नायकः नवाचार और कार्रवाई' (रि-साइक्लिंग हीरोजः इनोवेशन एंड एक्शन । वास्तव में, इस थीम का आशय यह है कि जो लोग(जैसे वैज्ञानिक, संगठन या पर्यावरण कार्यकर्ता) और जो संस्थाएँ तथा नई तकनीकें कचरे को दोबारा उपयोगी संसाधन में बदलने के लिए नए-नए तरीके (नवाचार) खोज रही हैं और जमीन पर ठोस कार्य (कार्रवाई) कर रही हैं, उनका सम्मान किया जाए। आज जब विश्व में पर्यावरण प्रदूषण और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं, तब कचरे को पुनः उपयोग में लाने की प्रक्रिया हमारे नीले ग्रह अर्थात पृथ्वी को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है। वास्तव में यह दिवस हमें यह सिखाता है कि जल, वायु, तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और खनिज जैसे प्रकृति के संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। यदि हम सरल शब्दों में समझें तो पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का अर्थ है-किसी उपयोग की हुई या बेकार वस्तु को पुनः संसाधित करके उसे दोबारा उपयोग के योग्य बनाना। अर्थात जिन वस्तुओं को हम उपयोग के बाद अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं, जैसे कागज, प्लास्टिक, काँच, धातु या अन्य सामग्री, उन्हें विशेष प्रक्रियाओं के माध्यम से फिर से नई वस्तुओं में बदल देना ही पुनर्चक्रण कहलाता है। संक्षेप में कहा जाए तो री-साइक्लिंग वह प्रक्रिया है जिसमें बेकार या इस्तेमाल की हुई वस्तुओं को फिर से उपयोगी बनाया जाता है, ताकि संसाधनों की बचत हो और पर्यावरण सुरक्षित रहे। सच तो यह है कि वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का आह्वान है। जब हम किसी वस्तु को 'कचरा' कहने के बजाय 'संसाधन' के रूप में देखना शुरू करते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी की नींव रखते हैं। आज विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ वस्तुओं और संसाधनों का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है। जब संसाधनों का उपयोग और उपभोग बढ़ता है तो कचरे की मात्रा भी बढ़ती है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर दबाव पड़ता है। ऐसे में पुनर्चक्रण पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक और प्रभावी उपाय बनकर सामने आता है।

पुनर्चक्रण के अनेक लाभ हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, कचरे की मात्रा कम होती है, भूमि, जल और वायु प्रदूषण में कमी आती है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नई वस्तु बनाने की तुलना में पुरानी वस्तुओं के पुनर्चक्रण में कम ऊर्जा लगती है। पुनर्चक्रण से कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों में कमी आती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नए रोजगार के अवसर पैदा करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और कच्चे माल की आवश्यकता को भी कम करता है। इसलिए आवश्यक है कि पुनर्चक्रण से संबंधित नीतियों और कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए और इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाए।हालाँकि, दुनिया में पुनर्चक्रण की चर्चा बहुत होती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी बहुत कम कचरा पुनर्चक्रित हो पाता है। वैश्विक स्तर पर केवल लगभग 6.9% सामग्री ही पुनर्चक्रित हो पाती है। विश्व की अर्थव्यवस्था में उपयोग होने वाले लगभग 106 अरब टन संसाधनों में से केवल 6.9% ही पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः उपयोग में आ पाते हैं। प्लास्टिक पुनर्चक्रण की स्थिति और भी चिंताजनक है। दुनिया में बनने वाले प्लास्टिक का केवल 9-10% ही पुनर्चक्रित हो पाता है। वर्ष 2024 में लगभग 22 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, लेकिन इसका बहुत छोटा हिस्सा ही सही तरीके से रीसायकल हो पाया। इसी प्रकार वर्ष 2022 में बने 400 मिलियन टन प्लास्टिक में से केवल 9.5% ही पुनर्चक्रित सामग्री से बना था। वर्तमान में विश्व में हर वर्ष लगभग 400-414 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है और यदि यही स्थिति बनी रही तो 2060 तक प्लास्टिक का उपयोग लगभग तीन गुना हो सकता है। वर्ष 1950 से अब तक दुनिया में 9 अरब टन से अधिक प्लास्टिक बनाया जा चुका है और हर वर्ष लगभग 350 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इतना ही नहीं, हर साल लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंच जाता है, जो समुद्री जीवन और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।यदि भारत की बात करें तो देश में हर वर्ष लगभग 62 मिलियन टन (6.2 करोड़ टन) कचरा उत्पन्न होता है, लेकिन इसमें से केवल लगभग 25% कचरा ही प्रोसेस या पुनर्चक्रित किया जाता है, जबकि लगभग 75% कचरा बिना प्रोसेस के ही रह जाता है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक देश है और वर्ष 2023झ्र24 में देश में लगभग 17 लाख टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि भारत में पुनर्चक्रण का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। देश में लगभग 15 लाख कचरा बीनने वाले लोग इस कार्य में लगे हुए हैं, जो पुनर्चक्रण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अंततः कहा जा सकता है कि पुनर्चक्रण से कच्चे माल के निष्कर्षण, शोधन और प्रसंस्करण की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव होता है। यही कारण है कि आज पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को सातवां संसाधन माना जाने लगा है, जो सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को संसाधन के रूप में मान्यता देने से जिम्मेदार उपभोग और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम पुनर्चक्रण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, ताकि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी पृथ्वी के संसाधन सुरक्षित रखे जा सकें।

## संक्षिप्त समाचार

### जापान- आस्ट्रेलिया का होर्मुज में नौसेना भेजने से इनकार ; सऊदी अरब ने 23 ड्रोन रोकने का दावा किया

**जापान, एजेंसी।** ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि तेहरान में हालिया हवाई हमलों में उनके एक क्लिनिक और राहत केंद्र को नुकसान पहुंचा। सोशल मीडिया पर जारी फुटेज में टूटे हुए कांच और क्षतिग्रस्त उपकरण दिखाई दे रहे हैं। अल जजीरा अरबी की रिपोर्ट के अनुसार, इराक के उत्तरी प्रांत निनवेह में धमाके की आवाज सुनी गई। इससे पहले, पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के एक बेस पर हवाई हमले में तीन लोग घायल हुए थे। ऑस्ट्रेलिया की ट्रांसपोर्ट मंत्री कैथरीन किंग ने कहा कि अमेरिकी अपील के बावजूद देश हॉर्मुज स्ट्रेट में जहाज नहीं भेजेगा। उनका कहना था कि वे सिर्फ यूएई को हवाई सहायता प्रदान करेंगे। जापान ने भी क्षेत्र में युद्धपोत भेजने से इनकार किया है। सऊदी अरब की रक्षा मंत्रालय ने देश के पूर्वी हिस्से में तीन अलग-अलग तरंगों में ड्रोन को रोकने की जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, सबसे हालिया तरंग में 12 ड्रोन नष्ट किए गए, जबकि उससे पहले छह ड्रोन को मार गिराया गया था। इसके अलावा, इससे पहले पांच ड्रोन को रोकने में सफलता मिली थी। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब मंत्रालय ने सुबह के शुरुआती घंटों में 37 ड्रोन को रोकने की भी जानकारी दी थी। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि सभी ड्रोन हवाई क्षेत्र में संभावित खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्ट किए गए।

### ट्रंप के दावों के बीच मोजतबा खामेनेई ने दिखाई आंख, बोले- मुआवजा दो या अंजाम भुगतो

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू हुई जंग अब आखिरी दौर में है। उनका कहना है कि ईरान के पास अब पलटवार करने की ताकत नहीं बची है। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बयानों से ऐसा नहीं लगता। वे अमेरिका और इस्राइल के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। मोजतबा खामेनेई ने देश को हुए नुकसान के लिए दुश्मन देशों से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम दुश्मन से हर्जाना लेकर रहेंगे। अगर उसने इनकार किया, तो हम उसकी उतनी संपत्ति जब्त कर लेंगे जितनी हम तय करेंगे। अगर यह भी मुमकिन नहीं हुआ, तो हम उसकी उतनी ही संपत्ति को तबाह कर देंगे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने खामेनेई के टेलीग्राम पोस्ट के आधार पर यह जानकारी दी है। इससे पहले उन्होंने अपने संदेश में लगातार संघर्ष करने की बात कही थी। एक लिखित संदेश में मोजतबा खामेनेई ने जंग में मारे गए लोगों का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने साफ किया कि तेहरान अपने शहीदों के खून का बदला जरूर लेगा। ईरानी सरकारी टीवी पर एक महिला एंकर ने उनका यह संदेश पढ़ा। संदेश के अनुसार, ईरान जरूरत पड़ने पर दूसरे मोर्चे भी खोल सकता है। ईरान अपने पड़ोसी देशों से अच्छे रिश्ते चाहता है। वह सिर्फ उन्हीं ठिकानों पर हमला करेगा जहां से उस पर हमले किए जाते हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। अमेरिकी हमलों की वजह से उन्हें छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हेगसेथ के मुताबिक, लगातार सैन्य अभियानों से ईरान के नेतृत्व पर दबाव बढ़ रहा है।

### क्या ईरान युद्ध में फंसकर घरेलू मोर्चे पर घिर गए हैं ट्रंप? कमजोर जनसमर्थन और बढ़ती महंगाई बनी बड़ी चुनौती

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर ऐसे समय में घिरे हुए नजर आ रहे हैं, जब इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिकी जनता का व्यापक समर्थन नहीं मिला है। विश्लेषकों का मानना है कि हाल के इतिहास में शायद ही कोई अमेरिकी राष्ट्रपति इतने कम सार्वजनिक समर्थन के साथ किसी बड़े युद्ध में उतरा हो। उपलब्ध सर्वेक्षणों में कहीं भी ऐसा संकेत नहीं मिलता कि ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिकी जनता का बहुमत ट्रंप के साथ खड़ा है। इसके उलट, कई जनमत सर्वेक्षणों में साफ तौर पर इस युद्ध के खिलाफ राय सामने आई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि आम तौर पर युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचता है, जनता का समर्थन और घटता जाता है, जिससे ट्रंप के सामने आगे और बड़ी राजनीतिक मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिकी जनता के सामने कोई स्पष्ट और ठोस सार्वजनिक मामला पेश नहीं किया। उन्होंने फारस की खाड़ी में सैन्य जमावड़े को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने और बातचीत के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति के रूप में पेश किया था। लेकिन बहुत कम समय में यह कूटनीतिक दबाव सीधे सैन्य कार्रवाई में बदल गया। कहा जा रहा है कि ट्रंप तेज, चौंकाने वाले और नाटकीय अंदाज में सैन्य कार्रवाई को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने युद्ध से पहले व्यापक जनसमर्थन जुटाने की कोशिश नहीं की।

# न युद्धविराम की मांग न ही बातचीत की': ईरान ने खारिज किया अमेरिकी दावा, भड़के ट्रंप बोले- झूठी खबरें फैला रहा

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान युद्धविराम चाहता है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने न तो कभी सीजफायर मांगा है और न ही किसी तरह की बातचीत की मांग की है।

अराघची ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि ईरान तब तक अपनी रक्षा करता रहेगा जब तक जरूरत होगी। अमेरिकी मीडिया संगठन सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक कि अमेरिका इस युद्ध को गैरकानूनी मानकर अपना रुख नहीं बदलता। उन्होंने कहा फिर से इस बात को दोहराया कि हमने कभी सीजफायर नहीं मांगा और न ही बातचीत की मांग की है। हम जितने समय तक जरूरी होगा, अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं।

**ईरान फैला रहा झूठी खबरें- ट्रंप :** इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के विदेश मंत्री की तरफ से उनके बयान को खारिज किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान जनता को सच्चाई नहीं बता रहा और गलत जानकारी फैला रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सच्चाई सामने रखी है, जबकि ईरान झूठी खबरें फैला रहा है। उनके मुताबिक, ईरान ने यह दावा किया था कि उसने अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह जहाज न तो कभी हमले का शिकार हुआ और न ही उसमें आग लगी थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें पहले अंदाजा नहीं था कि ईरान फर्जी खबरें फैलाने के लिए इतना बदनाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थान भी ऐसी गलत जानकारियों को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें पता होता है कि वे सच नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर मीडिया जानबूझकर झूठी जानकारी फैलाता है, तो इसके लिए उन्हें गंभीर कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि यह युद्ध अमेरिका ने शुरू किया है और ईरान सिर्फ अपने बचाव में कार्रवाई कर रहा है। उनके अनुसार, जब तक डोनाल्ड ट्रंप को यह समझ नहीं आता कि यह युद्ध जीतने वाला नहीं है, तब तक ईरान अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। अराघची ने यह भी कहा कि अभी अमेरिका से बातचीत करने का कोई कारण नहीं है। उनका कहना था कि जब ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा था, उसी समय अमेरिका ने उस पर हमला कर दिया। इसलिए अब बातचीत का कोई भरोसा नहीं रह गया है।

**खाड़ी देशों पर हमले का किया बचाव :** उन्होंने कहा कि हम अमेरिकियों से बात करने का कोई कारण नहीं देखते, क्योंकि जब हम उनसे बात कर रहे थे, उसी समय उन्होंने हम पर हमला करने का फैसला कर लिया। इसके साथ ही ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में किए गए अपने हमलों का भी बचाव किया। अराघची ने कहा कि ईरानी सेना सिर्फ अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सैन्य संसाधनों को निशाना बना रही है, किसी दूसरे देश को नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन खाड़ी देशों ने अपनी जमीन पर अमेरिकी सेना को ठिकाने दिए हैं, उन्होंने ही अमेरिका को ईरान पर हमला करने का मौका दिया है।

**ट्रंप ने कहा था- अभी समझौते के लिए तैयार नहीं :** गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार को एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका अभी इसके लिए तैयार नहीं है क्योंकि ईरान की ओर से रखी गई शर्तें पर्याप्त नहीं हैं। ट्रंप ने कहा था कि अगर कोई समझौता होता है तो वह बहुत मजबूत और ठोस होना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि अमेरिका किन शर्तों पर समझौता करेगा, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ना पड़ सकता है।

## ट्रंप की जीत की घोषणा क्या जल्दबाजी?: मजबूत सैन्य संरचना के साथ युद्ध में डटा ईरान, बदले को तैयार आईआरजीसी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने के महज 12-13 दिनों के भीतर जीत का दावा किया है, लेकिन जमीनी हालात संकेत दे रहे हैं कि यह युद्ध जल्दी खत्म होना मुश्किल हो सकता है। अमेरिकी हमलों के बावजूद ईरान की सैन्य और राजनीतिक संरचना पूरी तरह नहीं टूटी है, जबकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) बदले की भावना के साथ संघर्ष जारी रखने की तैयारी में है। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप अब उस पारंपरिक सैन्य जाल में फंसते दिख रहे हैं जिसमें त्वरित सैन्य कार्रवाई से स्थायी राजनीतिक परिणाम हासिल करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन युद्ध का वास्तविक स्वरूप कहीं अधिक जटिल साबित होता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन इस युद्ध को जीता हुआ लेकिन अभी खत्म नहीं बताने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने केंटकी में एक भाषण के दौरान दावा किया कि अमेरिका इस संघर्ष में जीत हासिल कर चुका है, लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध किसी खेल की तरह नहीं होता जिसमें तय समय के बाद स्कोर विजेता तय कर दे। विश्लेषकों के अनुसार आधुनिक युद्धों में यह अक्सर देखा गया है कि शुरुआती सैन्य सफलता स्थायी राजनीतिक परिणामों में नहीं बदल पाती। सोवियत संघ ने अफगानिस्तान में यही गलती की थी, अमेरिका ने 2003 में इराक में ऐसा ही सोचा था

और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में तेज जीत की उम्मीद की थी, लेकिन वहां भी युद्ध लंबा खिंच गया। इस्राइल की खुफिया जानकारी और डिकैपिटेशन स्ट्राइक भी पूरी तरह सफल होती नहीं दिख रही है। डिकैपिटेशन स्ट्राइक का अर्थ है किसी देश या संगठन के शीर्ष नेतृत्व को अचानक सैन्य हमले में निशाना बनाकर उसकी कमान को पंगु बना देना। यानी यह ऐसी सैन्य रणनीति होती है जिसमें राष्ट्रपति, सर्वोच्च नेता, सेना के शीर्ष कमांडर और खुफिया एजेंसियों के प्रमुख जैसे निर्णायक नेतृत्व को एक साथ या तेजी से खत्म करने की कोशिश की जाती है ताकि दुश्मन की कमांड और कंट्रोल प्रणाली टूट जाए और वह संगठित प्रतिरोध न कर सके। रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने संभवतः इस्राइली खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर ईरान के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने का अवसर देखकर तेजी से सैन्य कार्रवाई का फैसला किया। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत ने जितनी समस्याएं हल कीं उससे अधिक नई चुनौतियां पैदा कर दीं।

## पेरिस में अमेरिका-चीन के बीच व्यापार वार्ता शुरू, ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात का खुल सकता है रास्ता

**बीजिंग, एजेंसी।** पेरिस में रविवार को अमेरिका और चीन के बीच अहम आर्थिक और व्यापारिक बातचीत शुरू हुई। इस बैठक का एक उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आगामी मुलाकात का रास्ता साफ करना भी है। ट्रंप करीब दो हफ्ते बाद बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग अपनी टीमों के साथ पेरिस पहुंचे हैं। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी है कि ट्रंप 31 मार्च से 2 अप्रैल तक चीन के दौरे पर रहेंगे। हालांकि, बीजिंग ने अभी इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को कहा था कि उनकी टीम अमेरिकी किसानों, मजदूरों और कारोबारियों के हितों को सबसे ऊपर रखेगी। अमेरिकी वित्त विभाग ने बताया कि बेसेंट रविवार और सोमवार को हे लिफेंग के साथ बैठक करेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि दोनों पक्ष आपसी आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ट्रंप की यह चीन यात्रा 2017 के बाद पहली बार होगी। इससे पांच महीने पहले दोनों नेता दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में मिले थे। उस समय उन्होंने व्यापार युद्ध को एक साल के लिए रोकने पर सहमति जताई थी। इससे पहले दोनों देशों ने एक-दूसरे के सामान पर भारी टैक्स लगा दिया था, जिससे वैश्विक बाजार में हड़कंप मच गया था। इतनी कोशिशों के बाद भी दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर तनाव कम नहीं हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में चीन समेत 16 व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन का कहना है कि यह कदम वैश्विक सप्लाई चेन की सुरक्षा और स्थिरता को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने इसे गलती पर गलती करार दिया है।

इस बैठक में ईरान युद्ध और तेल की सप्लाई पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि वह चाहते हैं कि चीन, फ्रांस, जापान और ब्रिटेन जैसे देश अपने युद्धपोत भेजें। इससे हॉर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते को सुरक्षित रखा जा सकेगा।

## कब थमेगा संकट: 40 करोड़ बैरल तेल जारी, फिर भी कीमतें क्यों नहीं थमीं? होर्मुज बंदी से बाजार में अस्थिरता

**वॉशिंगटन/लंदन, एजेंसी।** ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई अभूतपूर्व बाधा को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) और उसके सहयोगी देशों ने इतिहास में पहली बार रणनीतिक भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का फैसला किया है। इसके बावजूद बाजार में भरोसा नहीं दिख रहा है। घोषणा के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतें 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी हैं और ब्रेंट क्रूड लगातार दूसरे सत्र में 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक फारस की खाड़ी का महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा नहीं खुलता, तब तक इस तरह के कदम तेल बाजार के संकट को पूरी तरह नहीं सुलझा पाएंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 50 साल के इतिहास में यह रणनीतिक तेल भंडार की सबसे बड़ी

आपातकालीन रिलीज है। यूरोप, उत्तर अमेरिका और उत्तर-पूर्व एशिया के 30 से अधिक देशों ने मिलकर बाजार में 40 करोड़ बैरल तेल तेल जारी करने पर सहमति जताई है। इस पहल में अमेरिका सबसे बड़ी भूमिका निभा रहा है। वह अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा, जो कुल आईईए रिलीज का लगभग 43 प्रतिशत है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ा है। आईईए की घोषणा के बाद भी तेल बाजार में घबराहट कम नहीं हुई। लंदन स्थित तेल ब्रोकर पीवीएम के विश्लेषक टामास वर्गा के अनुसार स्थिति की मूल वजह क्षेत्रीय सुरक्षा संकट है।

युद्ध से पहले सऊदी अरब, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात मिलकर लगभग 14 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल निर्यात करते थे। इनमें से करीब 9 मिलियन बैरल प्रतिदिन, यानी वैश्विक आपूर्ति का लगभग 10 प्रतिशत, ऐसा है जो केवल हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजर सकता है। जब तक यह मार्ग नहीं खुलता, यह तेल क्षेत्र में ही फंसा रहेगा। पहली नजर में 400 मिलियन बैरल का आपातकालीन भंडार इस कमी को लगभग 40 दिनों तक कवर कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि रणनीतिक भंडार का तेल तुरंत बाजार में नहीं आता। एक तय अवधि में सीमित मात्रा ही जारी की जा सकती है। अमेरिका द्वारा घोषित 172 मिलियन बैरल तेल को 120 दिनों में जारी किया जाएगा। इसका मतलब है कि रोजाना लगभग 1.4 मिलियन बैरल ही बाजार में आएगा, जो होर्मुज के बंद होने से खोई आपूर्ति का सिर्फ 15 प्रतिशत है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अनुमति के बाद इस तेल को बाजार तक पहुंचने में लगभग 13 दिन लगते हैं। आईईए ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि बाकी सदस्य देश कब और कितनी मात्रा में तेल जारी करेंगे।

# गाजा में इस्राइली हवाई हमलों में 12 फलस्तीनियों की मौत, मरने वालों में बच्चे और गर्भवती महिला भी शामिल

**काहिरा, एजेंसी।** गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों में रविवार को कम से कम 12 फलस्तीनियों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे, एक गर्भवती महिला और आठ पुलिसकर्मी शामिल हैं। यह जानकारी अस्पताल अधिकारियों ने दी। केंद्रीय गाजा के नुसेरत शरणार्थी शिविर में रविवार सुबह एक घर पर हुए हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई। अल-अक्सा मार्टियर्स अस्पताल के अनुसार मृतकों में लगभग 30 वर्ष की उम्र का दंपति और उनका 10 वर्षीय बेटा शामिल हैं। अस्पताल ने बताया कि महिला जुड़वां बच्चों की गर्भवती थी। चौथा मृतक 15 वर्षीय पड़ोसी था, जिसे नुसेरत के अल-

अवदा अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय निवासी महमूद अल-मुहतासेब ने बताया कि वे सो रहे थे, तभी मिसाइल के हमले से तेज धमाका हुआ। उनके अनुसार हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी। रविवार दोपहर एक अन्य हमले में केंद्रीय गाजा के जवैदा शहर के प्रवेश द्वार पर सलाह अल-दीन मार्ग पर चल रहे एक पुलिस वाहन को निशाना बनाया गया। हमास के नियंत्रण वाले आंतरिक मंत्रालय के अनुसार इस हमले में आठ पुलिसकर्मी मारे गए, जिनमें केंद्रीय गाजा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कर्नल इयाद अब यूसुफ भी शामिल थे। अल-अक्सा मार्टियर्स अस्पताल ने भी इस हमले में आठ लोगों की मौत और 14 अन्य के घायल होने की पुष्टि की। युद्धविराम के बावजूद जारी हमले इन दोनों हमलों पर इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। युद्धविराम के बावजूद गाजा में हिंसा की घटनाएं जारी हैं। अक्टूबर में लागू युद्धविराम के बाद भी लगभग रोजाना इस्राइली गोलीबारी या हवाई हमले की घटनाएं सामने आती रही हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार इस दौरान 650 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में अब तक 72,200 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। 2023 में हमास के हमले में दक्षिणी इस्राइल में 1,200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था।

## पश्चिम एशिया संघर्ष: तेल संकट के बीच बढ़ेगा वैश्विक टकराव, ट्रंप ने होर्मुज पर सात देशों से क्यों मांगी मदद

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने करीब सात देशों से युद्धपोत भेजकर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की मांग की है। हालांकि अब तक किसी भी देश ने इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई है। ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान से वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह समुद्री मार्ग उन देशों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है जो पश्चिम एशिया से तेल आयात करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन देशों से कह रहा हूं कि वे खुद अपने क्षेत्र की सुरक्षा करें, क्योंकि यह उनके लिए ज्यादा जरूरी है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। आमतौर पर दुनिया के कुल कारोबार वाले तेल का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। युद्ध के कारण इस रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और तेल की कीमतें भी तेजी से ऊपर जा रही हैं।

**अमेरिका को होर्मुज की उतनी जरूरत नहीं- ट्रंप :** ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस रास्ते की उतनी जरूरत नहीं है क्योंकि उसके पास खुद के तेल के स्रोत हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन को लगभग 90% तेल इसी मार्ग से मिलता है, जबकि अमेरिका को बहुत कम तेल यहां से आता है। बता दें कि ट्रंप पहले ही कई देशों से इस मिशन में शामिल होने की अपील कर चुके हैं। इनमें चीन, फ्रांस,

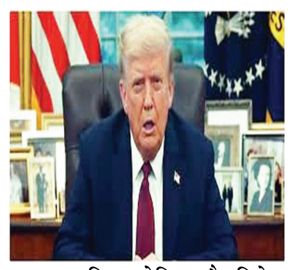

जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन है। हालांकि इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने ट्रंप से बातचीत में कहा कि वैश्विक शिपिंग को सुरक्षित बनाने के लिए इस समुद्री मार्ग को फिर से सामान्य करना जरूरी है, लेकिन अभी तक ब्रिटेन ने अपने युद्धपोत भेजने का फैसला नहीं किया है।

हालांकि इन सभी दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि कई देशों ने अपने जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए तेहरान से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि कुछ देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति भी दी गई है, हालांकि उन्होंने इन देशों के नाम नहीं बताए। ईरान का कहना है कि यह समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुला है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नहीं। उधर, अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि वह कई देशों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और उम्मीद है कि चीन भी इस रास्ते को सुरक्षित बनाने में सहयोग करेगा। हालांकि कई देशों ने फिलहाल कोई ठोस वादा नहीं किया है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह स्थिति पर नजर रख रहा है और अमेरिका के साथ समन्वय बनाए रखेगा।

# हमें नहीं, दूसरों को जरूरत', होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बोले डोनाल्ड ट्रंप; चीन का जिक्र कर कही ये बात

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है और उसकी वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुकाबला करने के लिए वह अन्य देशों से बातचीत कर रहे हैं ताकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में सहयोग करें। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा 'हम होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए अन्य देशों से बात कर रहे हैं, क्योंकि यह उनके लिए भी महत्वपूर्ण है। चीन, उदाहरण के तौर पर, अपनी 90% तेल आपूर्ति इसी जलडमरूमध्य से करता है। यह अच्छा होगा अगर अन्य देश भी हमारे साथ मिलकर इसकी सुरक्षा करें।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका सैन्य सहायता भी प्रदान करेगा और उनके साथ मिलकर काम करेगा। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान के हवाई अड्डों और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा, 'ईरान के पास अब कोई वायु रक्षा प्रणाली नहीं है। हमने उनके नेतृत्व को भी निशाना बनाया है। सैन्य दृष्टि से यह अद्भुत रहा है। हमने खर्ग द्वीप पर हमला किया है।'

**बातचीत के लिए ईरान की तत्परता पर संदेह :** ईरान द्वारा बातचीत की पहल पर ट्रंप ने कहा वे बातचीत करना चाहते थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे अभी तैयार हैं। मुझे लगता है कि वे कुछ समय बाद तैयार होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की मिसाइलों और ड्रोन निर्माण क्षमता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा ईरान की मिसाइलें अब बहुत कम बची हैं। हम उनके ड्रोन बनाने की क्षमता को भी नष्ट कर रहे हैं। हम उन जगहों को निशाना बना रहे हैं जहां वे ड्रोन बनाते हैं।

**वैश्विक सहयोग की आवश्यकता :** ट्रंप ने नाटो और यूक्रेन का भी जिक्र किया और कहा कि अमेरिका हमेशा अपने

सहयोगियों के साथ खड़ा है। उन्होंने जोर दिया कि जलडमरूमध्य को खुला रखना एक छोटा सा प्रयास है जिसके लिए अन्य देशों का सहयोग आवश्यक है।

**'अमेरिका जलडमरूमध्य की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाएगा' :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा एक ऐसा काम है जिसे अमेरिका को करने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसकी आवश्यकता उन देशों को है जो इस मार्ग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने बताया कि वर्षों से अमेरिका इस जलडमरूमध्य की निगरानी कर रहा है और इसमें शानदार प्रदर्शन किया है। ट्रंप ने आगे कहा कि अब जब युद्ध लगभग समाप्त हो चुका है और ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक कम हो गई है, तो यह अच्छा होगा कि अन्य देश भी इसमें योगदान दें। उन्होंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने दो विमान वाहक जहाज होर्मुज की ओर भेजने में हिचकिचाहट दिखाई थी, जबकि अमेरिका पहले ही स्थिति को नियंत्रण में ले चुका था। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि चाहे समर्थन मिले या न मिले, अमेरिका ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस जलडमरूमध्य की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभाएगा और इसे याद रखा जाएगा। उनके अनुसार, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि युद्ध से पहले ही रणनीतिक तैयारियां पूरी हों, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे।

**ईरान मीडिया में हेरफेर और ढ्ढ का दुरुपयोग कर रहा**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर मीडिया में हेरफेर करने और दुष्प्रचार फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर जारी एक पोस्ट में कहा कि ईरान सैन्य रूप से कमजोर है, लेकिन झूठी खबरें फैलाने में माहिर है, खासकर फेक न्यूज मीडिया को। ट्रंप के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब ईरान का एक नया हथियार बन गया है, जिसका उपयोग वह अपनी कमजोर सैन्य स्थिति को छुपाने और अपनी शक्ति का झूठा प्रदर्शन करने के लिए कर रहा है।

# रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

# हेल्थ प्लस

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मैथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

**यह** सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

**मैग्नेशियम**

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ लें। मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वत: रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

**पोटेशियम**

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

**नमक**

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

**लहसुन**

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

# क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

**बच्चे को तेज बुखार हों**

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

**जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले**

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

**बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले**

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

**जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों**

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वत: ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

## काकुरो पहेली - 2020

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ■ | 7\11 | 1 | 2 | 3 | 5 |
| | 1 | | | | |
| | 2 | | | | |
| | 4 | | | | |

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

**काकुरो - 2019 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 9\ | 24\ | ■ | 29\ | 8\ | ■ | 30\ | 3\ | ■ |
| \17 | 8 | 9 | \8 | 7 | 1 | \7 | 6 | 1 | ■ |
| \8 | 1 | 7 | 9\15 | 8 | 7 | 23\9 | 7 | 2 | ■ |
| ■ | \23 | 8 | 6 | 9 | \17 | 9 | 8 | 10\ | ■ |
| ■ | ■ | 11\7 | 2 | 5 | 24\19 | 6 | 9 | 4 | 8\ |
| ■ | 4\4 | 3 | 1 | 10\17 | 9 | 8 | \3 | 2 | 1 |
| \3 | 1 | 2 | \9 | 1 | 8 | ■ | 24\10 | 3 | 7 |
| \8 | 3 | 5 | 4\11 | 4 | 7 | 7\8 | 7 | 1 | ■ |
| ■ | \6 | 1 | 3 | 2 | \15 | 6 | 9 | ■ | ■ |
| ■ | ■ | \4 | 1 | 3 | \9 | 1 | 8 | ■ | ■ |

## लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

▯ ▯ ▯

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

▯ ▯ ▯

## फिल्म वर्ग पहेली - 2020

**बायें से दायें:-**

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली - 2019**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सं | गी | त | ■ | भा | भी | ■ | दी | दा | र |
| ग्रा | ■ | ह | स्ती | ■ | गी | ता | ■ | स्ता | ■ |
| म | ह | ल | ■ | ही | ग | ■ | जा | न | म |
| ■ | ■ | का | श | ■ | त | मि | ल | ■ | न |
| शो | ले | ■ | गु | ड्डू | ■ | थु | ■ | ■ | मौ |
| र | ■ | शा | न | ■ | जा | न | की | बा | जी |
| ■ | डॉ | न | ■ | स | नी | ■ | ■ | द | ■ |
| क | ■ | दा | सी | ■ | दु | ■ | स | ल | मा |
| सौ | ■ | र | ■ | दु | श्म | न | ■ | ■ | चि |
| टी | ना | ■ | माँ | ■ | न | ■ | पा | र | स |

## सूडोकु -2020

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | | | 1 | 9 | | |
| | | | | | | 8 | 5 | |
| | | | 7 | 3 | | | | |
| | | | 3 | | | | 4 | 7 |
| 9 | | | | | | | | 2 |
| 8 | 5 | | | | 6 | | | |
| | | | | 5 | 8 | | | |
| | 7 | 4 | | | | | | |
| | | 6 | 2 | | | | | 5 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -2019 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 4 | 5 | 6 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 |
| 1 | 7 | 6 | 4 | 3 | 5 | 8 | 2 | 9 |
| 3 | 8 | 9 | 1 | 2 | 7 | 6 | 5 | 4 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 6 | 2 | 4 | 8 | 5 |
| 5 | 6 | 3 | 8 | 7 | 4 | 9 | 1 | 2 |
| 4 | 2 | 8 | 5 | 1 | 9 | 3 | 6 | 7 |
| 7 | 3 | 1 | 9 | 5 | 6 | 2 | 4 | 8 |
| 8 | 9 | 2 | 7 | 4 | 1 | 5 | 3 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 9 | 1 |

## शब्द पहेली - 2020

**बाएँ से दाएँ**

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

**ऊपर से नीचे**

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

**शब्द पहेली -2019 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | मा | न | त | ■ | अ | ■ | बी | र | ब | ल |
| ■ | ला | ■ | वा | ■ | म | हि | मा | ■ | ल | व |
| म | ■ | ■ | य | की | न | ■ | र | ■ | ■ | कु |
| त | क | ली | फ | ■ | चै | त्र | ■ | क | ल | श |
| वा | ■ | ड | ■ | रा | न | ■ | गै | ■ | ह | ■ |
| ला | प | र | वा | ह | ■ | का | र | गु | जा | री |
| ■ | र | ■ | दा | ■ | अ | स्त | ■ | मा | ■ | मा |
| प्र | ख | र | ■ | पा | प | ■ | म | न | च | ला |
| जा | ■ | ■ | शा | ■ | ह | न | न | ■ | ■ | गू |
| प | र | ■ | पि | ह | र | ■ | ह | ■ | शा | ■ |
| ति | जा | र | त | ■ | ण | ■ | र | ह | म | त |

## मणिपुरः प्रीपाक, केवाईकेएल एवं केसीपी के 5 उग्रवादी गिरफ्तार

**एजेंसी**

**इंफाल।** मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के कैडरों के विरूद्ध जारी अभियान के दौरान टेंगनौपाल जिले से अलग-अलग संगठनों के पांच कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। उग्रवादियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी आधिकारिक सूचना में बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने टेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय बार्डर पोस्ट (बीपी) 73 और 75 के बीच से वीबीआईजी के पांच कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात हो कि मोरेह इलाके की सीमा म्यांमार देश से लगती है। गिरफ्तार कैडरों की पहचान वाइखोंग गांव के थांगजम अशोक कुमार सिंह उर्फ खोंगथांग (प्रीपाक), लाइश्रम निपमाचा सिंह उर्फ लोइया (प्रीपाक), थांगजाम मणिमातुम मैतेई उर्फ सना (केवाईकेएल), लाइश्रम इनाओ सिंह उर्फ सनमाचा (केसीपी-एमएफएल) और चिंगंगबाम शक्ति सिंह उर्फ फेयरन (केसीपी-एमएफएल) के रूप में की गयी है। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है।

## ओडिशा में राज्यसभा की चार सीटों में से तीन पर भाजपा की जीत, बीजद को एक सीट

**भुवनेश्वर।** हार्स ट्रेडिंग और क्रॉस-वोटिंग के आरोपों के बीच हुए राज्यसभा चुनाव में ओडिशा की चार सीटों में से तीन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जबकि बीजू जनता दल (बीजद) को एक सीट पर सफलता मिली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा सांसद सुजीत कुमार भाजपा की ओर से विजयी घोषित किए गए। वहीं बीजद के संतृप्त मिश्र ने भी एक सीट जीती। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप राय जिन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, उन्होंने भी जीत हासिल की। भाजपा समर्थित दिलीप राय और बीजद के उम्मीदवार डॉ. दत्तेश्वर होता, जिन्हें कांग्रेस और माकपा का समर्थन प्राप्त था, दोनों को 23-23 प्रथम वरीयता वोट मिले। इसके बाद मुकाबला द्वितीय वरीयता मतों की गणना तक पहुंच गया। दिलीप राय की यह जीत एक तरह से उनके राजनीतिक करियर की वापसी मानी जा रही है, जो वर्ष 2002 में भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव जीत चुके हैं। उस समय भी उन्होंने विभिन्न दलों के नेताओं के साथ अपने मजबूत संबंधों के दम पर जीत हासिल की थी। बीजद को एक सीट मिलने के बाद उसके पास 18 अतिरिक्त वोट थे और पार्टी को उम्मीद थी कि कांग्रेस के 14 विधायकों और माकपा के एक विधायक के समर्थन से डॉ. होता को जीत दिलाई जा सकेगी।

## सर्वदलीय बैठक में आठ सांसदों के निलंबन को वापस लेने पर सहमति

**नई दिल्ली।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में आठ निलंबित सांसदों का निलंबन वापस लेने पर सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार इन सांसदों का निलंबन प्रश्नकाल के बाद औपचारिक रूप से वापस लिया जाएगा। जिन सांसदों का निलंबन वापस लिया जाएगा उनमें गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरींदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिकम टैगोर, डॉ. प्रशांत यदोराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन शामिल हैं। इन सांसदों को संसदीय कार्य मंत्री द्वारा लाए गए प्रस्ताव के आधार पर तीन फरवरी से शुरू हुए सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया था। सूत्रों के अनुसार बैठक में नेताओं ने संसद की गरिमा और स्थापित परंपराओं को बनाए रखने पर भी सहमति जताई। इसके तहत यह तय किया गया कि कोई भी सदस्य सदन के वेल में दूसरी ओर नहीं जाएगा, कागज फाड़कर आसन की ओर नहीं फेंकेगा और न ही अधिकारियों की मेज पर चढ़ेगा। इसके अलावा, सभी सदस्य सदन की मर्यादा का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों।

## अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट को खारिज कर भारत ने भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की ताज़ा रिपोर्ट को खारिज किया है। मंत्रालय ने इसे 'मनगढ़ंत' और 'पक्षपातपूर्ण चित्रण' बताया और कहा कि भारत की चुनिंदा आलोचना पर अड़े रहने के बजाय आयोग को चाहिए वे अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता और उन्हें डराने-धमकाने की घटनाओं पर विचार करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में जारी एक बयान में कहा कि पिछले कई सालों से यूएससीआईआरएफ भारत की एक विकृत और चुनिंदा तस्वीर पेश करता रहा है। यह निष्पक्ष तथ्यों के बजाय 'संदिग्ध स्रोतों और वैचारिक कहानियों' पर निर्भर रहता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बार-बार किए जाने वाले गलत चित्रण से खुद आयोग की विश्वसनीयता ही कम होती है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि भारत की चुनिंदा आलोचना पर अड़े रहने के बजाय, यूएससीआईआरएफ के लिए यह बेहतर होगा कि वह अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़-फोड़ और हमलों की परेशान करने वाली घटनाओं, भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने और अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता और उन्हें डराने-धमकाने की घटनाओं पर विचार करे। ये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है।

# पीएम मोदी ने पूर्ण ब्रह्म श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी को किया नमन, कहा- उनकी शिक्षाएं आज भी प्रेरणा देती हैं

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ धर्म मेले को लेकर देशभर के श्रद्धालुओं और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने पूर्ण ब्रह्म श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके विचार और शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों को शक्ति और आशा देती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, 'मतुआ धर्म मेले के सभी भक्तों और प्रतिभागियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह विशेष अवसर पूर्ण ब्रह्म श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी की जयंती से जुड़ा है। मैं उन्हें विनम्र प्रणाम करता हूं। उनके विचार और शिक्षाएं आज भी अनेक लोगों को शक्ति और आशा प्रदान करती हैं। उन्होंने गरिमा, समानता और भक्ति के लिए एक सशक्त आंदोलन को जन्म दिया। उन्होंने पीढ़ियों को धर्म, सद्भाव

और सामूहिक उत्थान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'मतुआ संस्कृति की समृद्ध और जीवंत परंपराएं गहरी आध्यात्मिक शक्ति और समानता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। यह हमारे राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को समृद्ध करती है। पिछले एक दशक से हमारी सरकार मतुआ समुदाय के कल्याण, सशक्तीकरण और गरिमा के प्रति समर्पित रही है।' इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मतुआ समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'पूर्ण ब्रह्म श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी की 215वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित 'मतुआ धर्म मेला' के शुभ मौके पर, मैं मतुआ समुदाय के अपने सभी भाई-बहनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'एक दिव्य आत्मा, ठाकुर जी ने हमारे ज्ञान की गहराइयों में उतरकर भक्ति, समानता और नैतिक जीवन के ऐसे अनमोल मोती निकाले, जो आज हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत बने हुए हैं। आशा है कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में आयोजित होने वाला 'मतुआ धर्म मेला 2026' इन सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करेगा।'

## इटानगर में लैंडस्लाइड, दीवार के नीचे दबने से चार मज़दूरों की मौत

**एजेंसी**

**इटानगर।** अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर के नीति बिहार इलाके में लैंडस्लाइड होने से चार मज़दूरों की दीवार के नीचे दबने से मौत हो गई और तीन घायल हो गए। मृतकों की पहचान चोकी तसर (23), गोदक राजा (30), गोदक ताबिन (35) और रतन बर्मन (26) के तौर पर हुई है इटानगर कैपिटल रीजन के पुलिस सुपरिटेंडेंट जुम्मार बसर ने बताया कि यह हादसा सोमवार शाम करीब 4 बजे लगातार भारी बारिश की वजह से हुआ। लगातार बारिश की वजह से हुए लैंडस्लाइड की वजह से कंस्ट्रक्शन साइट की एक दीवार गिर गई। इसमें मिट्टी और मलबा लुढ़ककर नीचे आ गया और सात मज़दूर दब गए। घटना की जानकारी मिलने पर रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मलबे के नीचे से सात मज़दूरों को निकाला। हालांकि, उनमें से चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और बाकी तीन घायलों का अस्पताल में

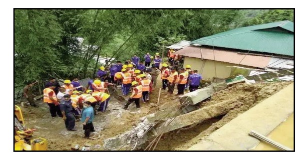

इलाज चल रहा है। पुलिस सुपरिटेंडेंट बसर ने बताया कि लगातार बारिश की वजह से पहाड़ों से मिट्टी के साथ पानी की मोटी धाराएं बह रही थीं। इससे रेस्क्यू टीम के लिए दीवार के नीचे फंसे मज़दूरों की सही जगह का पता लगाना मुश्किल हो गया। फिर भी रेस्क्यू करने वालों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की।

## नशा तस्करी का खुलासा करने वाले पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई, आम आदमी पार्टी ने उठाए सवाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** देश की राजधानी दिल्ली में नशा तस्करी के मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने उस पुलिस अधिकारी के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसने सार्वजनिक रूप से नशा तस्करी के संबंध में गंभीर आरोप लगाए थे। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिस अधिकारी ने नशा तस्करी की सच्चाई सामने लाने की कोशिश की, उसी के खिलाफ कार्रवाई करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे पुलिस विभाग का मनोबल कमजोर होगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राजधानी में नशे का कारोबार एक गंभीर सामाजिक समस्या बनता जा रहा है। ऐसे में जब किसी पुलिस अधिकारी ने खुलकर नशा तस्करी से जुड़े मामलों का खुलासा किया तो दिल्ली पुलिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस मामले की गहराई से जांच करनी चाहिए थी। उनका कहना है कि कार्रवाई का दायरा नशा तस्करों और उनके नेटवर्क तक पहुंचना चाहिए था, ताकि इस अवैध कारोबार की जड़ों को खत्म किया जा सके, लेकिन इसके उलट उस अधिकारी के खिलाफ ही विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई, जिससे गलत संदेश जा रहा है।

आप नेता ने आरोप लगाया कि कुछ दिनों पहले दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया था कि नशा तस्करों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने

आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री और कुछ भाजपा विधायकों पर नशा तस्करों को संरक्षण देने के आरोप हैं। भारद्वाज का कहना है कि इतने गंभीर आरोपों के बाद सरकार और संबंधित एजेंसियों को पारदर्शी जांच करनी चाहिए थी, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की बजाय उसके खिलाफ कार्रवाई करना कई सवाल खड़े करता है। उनका कहना है कि इस कदम से पुलिस महकमे में यह संदेश जा सकता है कि यदि कोई अधिकारी सत्ता के खिलाफ आवाज उठाएगा तो उसके खिलाफ ही कार्रवाई हो सकती है। इससे ईमानदार अधिकारियों का मनोबल टूट सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राजधानी में नशे के कारोबार को सचमुच खत्म करना है तो सरकार और पुलिस को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जरूरी है। तभी दिल्ली में नशे के बढ़ते खतरे पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाया जा सकेगा। आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर नशा तस्करी को संरक्षण देने के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

## हरियाणा राज्यसभा चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप, खरगे ने आयोग को लिखा पत्र, की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनावी प्रक्रिया जारी है। इनमें से 26 उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके हैं। इसी बीच हरियाणा की एक सीट पर विवाद को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

खरगे ने आयोग को लिखे पत्र में कहा कि हरियाणा से राज्यसभा चुनाव में हस्तक्षेप की कोशिश की जा रही है। चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को प्रभावित करने का प्रयास हो रहा है। ऐसे में निर्वाचन आयोग को तुरंत दखल देना चाहिए और चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता सुनिश्चित करनी चाहिए।

खरगे ने कहा कि इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिलने का समय चाहता है। यह प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी के नेतृत्व में आयोग से मुलाकात करेगा और पूरे मामले से अवगत कराएगा।

इससे पहले हरियाणा से कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार करमवीर सिंह बौद्ध ने भी निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर चुनाव प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप लगाया है।बौद्ध ने अपने पत्र में कहा है कि

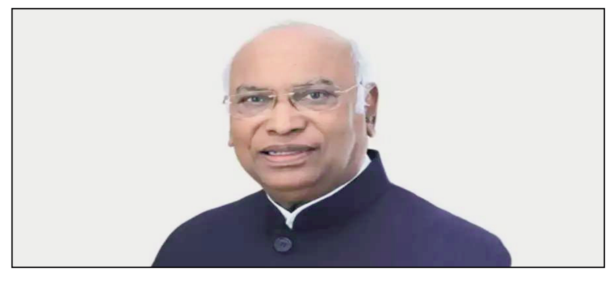

राज्यसभा चुनाव 2026 के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर पंकज अग्रवाल का आचरण पक्षपातपूर्ण रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस के दो विधायकों के खिलाफ मतदान की गोपनीयता के कथित उल्लंघन की शिकायत को अवैध रूप से स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि दोनों विधायक अपना मत पहले ही डाल चुके थे और उस समय किसी ने कोई आपत्ति नहीं उठाई थी। इसके बावजूद मामले में कार्रवाई शुरू की गई। बौद्ध ने कहा कि घटना के वीडियो फुटेज की साधारण जांच से ही शिकायतों की सच्चाई सामने आ सकती है। जब कांग्रेस उम्मीदवार और उनके चुनाव एजेंट ने वीडियो फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की तो रिटर्निंग ऑफिसर ने इसे उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया। बौद्ध ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि कथित शिकायतों से संबंधित पूरा रिकॉर्ड और वीडियो फुटेज तत्काल मंगाया जाए, ताकि मामले में निष्पक्ष निर्णय लिया जा सके।

# संसद की मर्यादा पर देवगौड़ा की कांग्रेस को नसीहत, सोनिया गांधी से अपने सांसदों को समझाने की अपील

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** पूर्व प्रधानमंत्री और राज्यसभा सदस्य एच.डी. देवगौड़ा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर संसद में विपक्ष द्वारा हंगामे और विरोध पर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा है, संसद और उसके परिसर में विपक्षी दलों द्वारा अनजाने में पैदा की गई अराजकता से मैं बहुत परेशान हूं। देवगौड़ा ने आगे लिखा है, 'मुझे नहीं पता कि आप इस तरह की अनियंत्रित गतिविधियों और नकारात्मक ऊर्जा के प्रसार के परिणामों को समझ पा रही हैं या नहीं। मुझे लगता है कि इससे हमारे लोकतंत्र की नींव को बहुत नुकसान पहुंच सकता है और कड़वाहट की एक अमिट छाप छोड़ी जा सकती है। मैंने पहले आपको पत्र न लिखने का कारण यह था कि मुझे लगा कि समय के साथ चीजें शांत हो जाएंगी, लेकिन मुझे खेद है कि सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। आप जानती हैं कि मैंने अपने करियर की शुरुआत लोकतांत्रिक संस्थाओं के

जमीनी स्तर से की थी और मैंने अपने जीवन के कुल 65 वर्ष विधायक और सांसद के रूप में बिताए हैं। मैंने अपना लगभग नब्बे प्रतिशत समय विपक्ष की बेंचों पर बिताया है। आपने स्वयं भी विपक्ष में लंबे वर्ष बिताए हैं और वहां रहते हुए आपने गरिमा और परिपक्वता के साथ व्यवहार किया है। चूंकि यह मेरे जीवन का अंतिम संसदीय सत्र हो सकता है, इसलिए मैं कुछ बातें कहना अनिवार्य समझता हूं इस आशा के साथ कि इससे संसदीय परंपराओं और मर्यादा की धीरे-धीरे बहाली होगी।'

पूर्व प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि विपक्ष के नेता के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों ने संसद के अंदर और उसके परिसर में बहुत अधिक व्यवधान उत्पन्न किए हैं। हाल के दिनों में संसद में नारेबाजी, तख्तियां लहराने और गाली-गलौज की घटनाएं हद से ज्यादा देखने को मिली हैं। गैर-गंभीरता का ऐसा रवैया देखने को मिला है, जिसने संसद और संसदीय लोकतंत्र के मेरे मूल विचार और संरचना पर ही प्रहार किया है। निसंदेह, संसदीय लोकतंत्र के मेरे विचार हमारे संस्थापक पिताओं, जैसे पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, बी.आर. अंबेडकर और मौलाना अब्दुल कलाम आजाद आदि के दिए गए उपदेशों और मार्गदर्शन पर आधारित हैं। अपने लंबे अनुभव में मैंने संसद को कभी इतनी अराजकता और लापरवाही में नहीं देखा जितना हमने हाल ही में देखा है।

देवगौड़ा ने आगे लिखा, 'अपने पूरे करियर में, यहां तक कि अत्यधिक उकसावे की स्थिति में भी मैंने कभी भी राज्य विधानसभा या संसद में विरोध प्रदर्शन करने के लिए सदन के वेल में प्रवेश नहीं किया। यह संस्कृति हमें हमारे लोकतंत्र के पूर्वजों ने सिखाई थी। मैं समझता हूं कि विपक्ष के नेता का जीवन आसान नहीं होता।

## आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ा संदिग्ध आतंकी मुरादाबाद से गिरफ्तार

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े एक संदिग्ध आतंकी को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया है। एटीएस ने दावा किया है कि वह सोशल मीडिया के जरिये आंतकी संगठन के विचारधारा को फैलाने और नए लोगों को जोड़ने का काम करता था। एटीएस ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मूलरूप से सहारनपुर जिले के मोहल्ला मानक मऊ निवासी हारिश अली को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया है। वह बीडीएस द्वितीय वर्ष का छात्रा था। विवेचना में पता चला है कि अभियुक्त देश में अपने आतंकी संगठन आईएसआईएस मॉड्युल के हैंडलरों व अन्य मुजाहिद साथियों के साथ जुड़कर चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार गिराकर शरिया कानून लाना चाहता है।

हारिश ने इंस्टाग्राम व इनक्रिप्टेड एप्स अन्य वीपीएन का प्रयोग करते हुए आतंकी संगठन समर्थिक ग्रुप्स बनाए थे। इन ग्रुपों में वह आईएसआईएस से जुड़े मीडिया चैनलों और पत्रिकाओं, आतंकी की विचाराधारा से संबंधित सामग्री, मारे गए आतंकियों वीडियो और तस्वीरें साझा करता था। इतना नहीं वह आतंकियों के आकाओं का भाषण भेजता था। जांच में पाया गया कि वह भारत के साथ–साथ पाकिस्तान और विदेश के अन्य आतंकी संगठन के हैंडलरों के सम्पर्क में था। पूछताछ में पता चला है कि उसने अपना एक पृथक ग्रुप अल इत्तिहाद मीडिया फाउंडेशन भी बनाया था। इसके जरिए वह आतंकी संगठन से जुड़ी सामग्री प्रचार प्रसार करता था। वह आईएसआईएस के सक्रिय सदस्य के रूप में मीडिया एवं न्यूज चैनल अल-नाबा तथा उसकी प्रोपेगेंडा मैगजीन दबिक का अनुसरण करता था।

## राज्यसभा चुनाव : बिहार की सभी 05 सीट पर राजग गठबंधन का कब्जा

**पटना।** बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सभी सीटों पर कब्जा कर लिया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, शिवेश राम , रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा विजयी रहे। बिहार में पांच सीटों के लिए संपन्न हुए राज्यसभा चुनावों में राजग ने सभी पांचों सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी ओर असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और बसपा के समर्थन के बावजूद महागठबंधन ज़रूरी 41 का आंकड़ा नहीं जुटा पाया। इस जीत पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार, चुनाव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को 44-44 मत मिले। वहीं रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा को 42-42 वोट मिले हैं।

## कनाडा से उज्जैन के छात्र का शव लाने में खर्च होंगे लाखों रुपये, परिजनों ने केन्द्र से लगाई गुहार

**एजेंसी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी छात्र गुरकीरत सिंह मनोचा की कनाडा में हत्या होने के बाद उसका शव भारत लाने में लाखों रुपये खर्च होने की जानकरी सामने आई है। कनाडा से मृतक के शव को वापस लाने के लिए परिजनों ने केन्द्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है। परिवार का कहना है कि कनाडा सरकार शव देने के लिए करीब 40 हजार डॉलर (लगभग 35 लाख रुपये) जमा कराने को कह रही है। जांच प्रक्रिया के कारण अस्पताल से शव 15 दिन बाद ही दिया जाएगा। शव को कनाडा से उज्जैन लाने में करीब 10 लाख रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। ऐसे में परिजन ने केंद्र के साथ ही राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से भी मदद की गुहार लगाई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार देर शाम उज्जैन निवासी स्व. गुरकीरत मनोचा के परिजनों से फोन पर चर्चा कर कनाडा में हुई असामयिक दुखद मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश के होनहार छात्र की मृत्यु से उनका हृदय व्यथित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिजनों को स्व. गुरकीरत के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा पूर्ण रूप से सहायता करने का आश्वस्त किया है। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। गौरतलब है कि 14 मार्च को कनाड़ा के फोर्ट सेंट जॉन शहर में उज्जैन के छात्र गुरकीरत सिंह मनोचा की कॉलेज के छात्रों ने हत्या कर दी। करीब 10-12 युवकों ने पहले गुरकीरत की पिटाई की, फिर उस पर गाड़ी चढ़ा दी। छात्र को गंभीर चोटें आई थीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। गुरकीरत उज्जैन के देवास रोड स्थित पार्श्वनाथ सिटी के निवासी थे। वे कनाडा के नॉर्दर्न लाइट्स कॉलेज में बिजनेस मैनेजमेंट के पोस्ट डिग्री डिप्लोमा प्रोग्राम की पढ़ाई कर रहे थे।

गुरकीरत के बड़े भाई प्रबकीरत सिंह ने बताया कि कनाडा में ही रह रहे गुरकीरत के एक दोस्त ने फोन कर घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि गुरकीरत की मौत हो गई है। इसके बाद प्रबकीरत सिंह ने परिवार को सूचना दी। स्थानीय पुलिस और अस्पताल से संपर्क किया। परिजन का कहना है कि कनाडा में प्रक्रिया पूरी करने और शव भारत लाने के लिए लाखों रुपये खर्च होंगे, जिसका इंतजाम करना उनके लिए संभव नहीं है। ऐसे में परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।गुरकीरत के पिता गुरजीत सिंह ने बताया कि उनके लिए यह रकम जुटाना संभव नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आर्थिक सहायता देने की अपील की है, ताकि बेटे का शव भारत लाकर अंतिम संस्कार किया जा सके। छात्र के परिजनों ने कनाडा जाने के लिए वीजा प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि वहां पहुंचकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।

# डॉ. अंबेडकर की जयंती पर जन्मस्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम

**एजेंसी**

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण उत्साह और आस्था के साथ उनकी जन्मस्थली डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाई जाएगी। इस दिन डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली स्मारक पर विशाल समागम का आयोजन होगा।

यह जानकारी इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने डॉ. अंबेडकर नगर (महू) पहुंच कर तैयारियों का जायजा लेते हुए दी। उन्होंने बताया कि जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी। कलेक्टर वर्मा ने डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में जयंती उत्सव में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जन्म स्थली पर बने स्मारक का अवलोकन भी किया और वहां की जाने वाली व्यवस्थाओं को भी देखा। बैठक में अपर कलेक्टर रिंकेश

वैश्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश द्विवेदी, एसडीएम राकेश परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए। इस अवसर पर बताया गया कि जयंती उत्सव में 14 अप्रैल 2026 को प्रभात फेरी अम्बेडकर संस्थान द्वारा निकाली जाएगी, जो महू के क्षेत्रों में भ्रमण करेगी। इससे पहले 13 अप्रैल की रात्रि में अम्बेडकर जन्मस्थली पर संस्थान द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में अन्य प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालु आएंगे। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो जाएगा। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की जाएगी। यह व्यवस्था 12 अप्रैल की शाम से प्रारंभ हो जायेगी। भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की जाएगी तथा उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं की पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर प्याउ का निर्माण किया जायेगा। अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रूकने हेतु धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में श्रद्धालुओं को रूकने की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए जाएंगे।कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थलों को सात सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ.अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये जाएंगे। उक्त सात सेक्टरो में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई जायेगी।

## शिक्षा के अधिकार को प्रभावी और न्यायसंगत तरीके से लागू करना अत्यंत आवश्यक : डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान सदस्य डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने शिक्षा के अधिकार के नियमों को प्रभावी और न्यायसंगत तरीके से लागू करने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 को लागू हुए लगभग 17 वर्ष हो चुके हैं, फिर भी देश में निरक्षरता तथा स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आज देश में 6 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में स्कूल से बाहर रहने का प्रतिशत

लगभग 16.8 प्रतिशत है तथा देश में कुल जनसंख्या का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा अभी भी निरक्षर है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत कुल 1 लाख 9 हजार सीटें उपलब्ध हैं अर्थात मांग उपलब्ध सीटों से लगभग तिगुनी है, जिसके कारण अनेक गरीब और वंचित बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रहना पड़ता है। इस परिस्थिति को देखते हुए शिक्षा के अधिकार की नीति में कुछ महत्वपूर्ण सुधार करना आवश्यक है। सबसे पहले, कई स्कूलों को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा प्राप्त होने के कारण एक्ट के प्रावधानों से छूट दी गई है। परिणामस्वरूप इन स्कूलों में शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत 25 प्रतिशथ आरक्षित सीटें लागू नहीं होतीं। वास्तव में अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा प्राप्त करते समय कम से कम 50 प्रतिशत छात्रों का अल्पसंख्यक समुदाय से होना अपेक्षित होता है, लेकिन व्यवहार में इन स्कूलों में बड़ी संख्या में बहुसंख्यक समुदाय के छात्र भी पढ़ते हैं। इसके बावजूद भी ये संस्थान अल्पसंख्यक दर्जा बनाए रखते हैं और आरटीई से छूट प्राप्त करते हैं, जो तर्कसंगत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि सरकार को इन 25प्रतिशत सीटों की प्रतिपूर्ति समयबद्ध तरीके से करना आवश्यक है।

# मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, हरमनप्रीत सातवें स्थान पर पहुंची

**दुबई (एजेंसी)।** भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं। रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 'आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज' के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार अपने नाम किया। इस बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुना गया। इस प्रदर्शन से केर 21वें स्थान से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं और बल्लेबाजी तथा गेंदबाजी दोनों में 600 से अधिक रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में न्यूजीलैंड की इसाबेल गेज भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 61वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, तेज गेंदबाज रोजमेरी मेयर सात स्थान ऊपर चढ़कर 58वें और ब्री इलिंग पांच स्थान की बढ़त के साथ 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कप्तान अमेलिया केर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ माउंट माउंगानुई में खेले गए पहले मुकाबले में 44 गेंदों पर 78 रन की पारी खेलकर करियर के सर्वश्रेष्ठ 694 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर बरकरार हैं।

जॉर्जिया प्लिमर ने 63 रन की पारी खेलकर अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह 50वें से 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लेने के प्रदर्शन के दम पर 11 स्थान की छलांग लगाकर 23वां स्थान हासिल किया है। वहीं, सोफी डिवाइन ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 12 रन देकर चार विकेट झटके, जिससे वह 104वें स्थान से 79वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

# आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े कप्तान शुभमन गिल

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं।

आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी।

गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है।

विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं। वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ को और मजबूती प्रदान करेंगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था। सुदर्शन टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और उन्होंने 15 मुकाबलों में 156 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 759 रन बनाए थे। वहीं, गिल ने 15 मुकाबलों में 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 650 रन बनाए थे।

# डेवोन कॉनवे की आकर्षक पारी, न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला बराबर की

**हैमिल्टन (एजेंसी)।** सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए।

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। उसके बल्लेबाजों को पिच की गति और उछाल से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई। उनकी टाइमिंग सही नहीं थी जिसके कारण उसके सभी बल्लेबाज कैच आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी छह विकेट 40 रन पर गंवाए। जॉर्ज लिंडे की तूफानी पारी के दम पर ही वह 100 रन की संख्या पार कर पाया। लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 33 रन बनाए।

हाल ही में टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के रिजर्व खिलाड़ी रहे सियर्स ने 14 रन देकर तीन जबकि फर्ग्यूसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने कहा, 'मुझे लगा कि हमने एक समय तक बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाजी में हमारा प्रदर्शन खराब रहा। खेल आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हो गया था।' तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

# जेके लक्ष्मी सीमेंट 2026 क्रिकेट लीग सीज़न में राजस्थान रॉयल्स का मुख्य प्रायोजक बना

**जयपुर (एजेंसी)।** देश की प्रमुख सीमेंट कंपनी जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड क्रिकेट लीग 2026 सीज़न के लिए राजस्थान रॉयल्स की प्रमुख प्रायोजक (प्रिंसिपल स्पॉन्सर) होगी।

कंपनी के अध्यक्ष एवं निदेशक अरुण शुक्ला ने इस संबंध घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बताया कि इस साझेदारी के साथ ब्रांड की फिर से वापसी हो रही है और राजस्थान से जुड़ी ये दोनों संस्थाएं एक बार फिर साथ मिलकर काम करेंगी। इस साझेदारी के तहत जे के लक्ष्मी सीमेंट का लोगो राजस्थान रॉयल्स की मैच जर्सी के पीछे प्रमुख रूप से दिखायी देगा। पूरे सीज़न के दौरान यह ब्रांड टीम के गियर, स्टेडियम ब्रांडिंग और मैच डे के डिजिटल कंटेंट में भी नजर आएगा।

उन्होंने कहा कि जे के सीमेंट एक ऐसी कंपनी जो राज्य के औद्योगिक विकास में योगदान देती रही है और राजस्थान रॉयल्स एक ऐसी टीम जो देश के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करती है। राजस्थान रॉयल्स की यात्रा हमारी तरह ही है। राजस्थान में मजबूत जड़ें और पूरे देश में बढ़ती उपस्थिति। यह साझेदारी उन लोगों का सम्मान करने के बारे में भी है जो हर दिन मेहनत करके भारत का निर्माण करते हैं, चाहे वे किसी भी राज्य में रहते हों। हम इस साझेदारी को अपने स्टेकहोल्डर्स को टी20 की ऊर्जा और भरोसे एवं निरंतरता जैसे साझा मूल्यों के करीब लाने का माध्यम मानते हैं। छोटे शहरों के घरों से लेकर बड़े शहरों की बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं तक।

राजस्थान रॉयल्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आलोक चित्रे ने कहा, 'हमें खुशी है कि 2026 सीज़न के लिए जेके लक्ष्मी सीमेंट राजस्थान रॉयल्स का प्रिंसिपल स्पॉन्सर बना है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि राजस्थान का एक प्रमुख ब्रांड रॉयल्स की जर्सी के पीछे होगा। राज्य और उससे आगे मजबूत उपस्थिति के कारण जे के लक्ष्मी सीमेंट हमारे लिए एक स्वाभाविक साझेदार है। हम पूरे सीज़न के दौरान प्रशंसकों और समुदायों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।'

जे के लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा, 'राजस्थान हमेशा से हमारी यात्रा का अहम हिस्सा रहा है, जिसने हमारी पहचान और विकास को आकार दिया है। राजस्थान रॉयल्स के साथ यह साझेदारी इस मजबूत रिश्ते को और गहरा बनाती है और उत्कृष्टता, बेहतर प्रदर्शन और दीर्घकालिक सहयोग जैसे साझा मूल्यों को दर्शाती है। टी20 लीग राजस्थान को राष्ट्रीय मंच देती है और हमें खुशी है कि हम ऐसी टीम के साथ खड़े हैं जो इस अद्भुत राज्य की भावना और उत्कृष्टता को दर्शाती है।'

# एफआईएच हॉकी नेशन कप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल एफआईएच हॉकी नेशन कप की तैयारियों में लगी है। एफआईएच हॉकी नेशन कप 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाएगा। साल 2021 में हुई हॉकी नेशंस कप हॉकी प्रो लीग से बाहर रही सर्वश्रेष्ठ रैकिंग वाली टीमों की एक शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिता है। इसमें विजयी रही टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में प्रवेश मिलता है। भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में अंतिम स्थान पर होने के कारण प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा नेशन कप में मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। वहीं इस टूर्नामेंट में भारतीय पुरूष हॉकी टीम भी भाग लेगी। पुरुष वर्ग का टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए पुरुष टीम भी आजकल कड़े अभ्यास में लगी हुई है।

# रोहित से सीखा है शांत रहकर कप्तानी करना : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने कुशल कप्तानी के लिए चर्चाओं में बने हुए हैं। अब तक उनकी कप्तानी में भारतीय टीम की जीत का रिकार्ड सबसे अच्छा रहा है। इसके पीछे एक बड़ा कारण सूर्यकुमार के शांत स्वभाव को भी माना जाता है, चाहे टीम से कोई गलती ही क्यों न हो जाए वह भड़कते नहीं है। इस पर उन्होंने बताया कि उन्होंने यह तरीका पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से सीखा है। सूर्या ने कहा कि जब वह रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते थे, तब उन्होंने देखा कि रोहित की प्रतिक्रिया हर परिस्थिति में एक जैसा रहती थी। वह गुस्सा करने के बजाय स्थिति को शांत तरीके से संभालते थे। सूर्यकुमार यादव का मानना है कि कप्तान का काम खिलाड़ियों पर दबाव बनाना नहीं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास देना होता है। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता या खराब गेंद नहीं डालता। हर खिलाड़ी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है। अगर गलती हो जाती है तो कप्तान और टीम का काम उसे सुधारने में मदद करना होता है। हालांकि सूर्यकुमार ने साफ किया कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों या रिकॉर्ड पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। उनके मुताबिक असली महत्व टीम की जीत का होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं है और यही सोच टीम के बाकी खिलाड़ियों में भी दिखाई देती है। सूर्या का मानना है कि जब पूरी टीम एक ही लक्ष्य और सोच के साथ मैदान पर उतरती है, तभी ऐसे शानदार परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। सूर्या की कप्तानी में टीम ने कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से 42 मुकाबलों में जीत हासिल की है। भारत को सिर्फ 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 2 मुकाबले बिना किसी परिणमा के समाप्त हुए। इस तरह टीम का जीत प्रतिशत 80 फीसदी से भी अधिक है। टी20 जैसे फॉर्मेट में इतना प्रभावशाली रिकॉर्ड किसी भी कप्तान के लिए बेहतरीन माना जाता है।

# धोनी को अगला कोच देखना चाहते हैं गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह चाहते हैं अगले कोच महेन्द्र सिंह धोनी बने। गंभीर के धोनी के साथ अच्छे संबंध नहीं रहे हैं पर अब ये बयान देकर गंभीर ने दिखाया है कि दोनो में किसी प्रकार की दूरियां नहीं हैं। गंभीर ने धोनी को अपना संभावित उत्तराधिकारी बताते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह कोच बने। एक कार्यक्रमकके दौरान गंभीर ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि उनका विश्व कप फाइनल देखने आना और उनका संदेश देना बेहद खास था। उन्होंने कहा, अच्छा लगा कि वह फाइनल देखने आए और मुझे मुस्कुराने को कहा। मैं चाहता हूं कि एक दिन वह मेरी जगह हों और मैं उन्हें उसी तरह संदेश दूं। यह बयान सिर्फ तारीफ नहीं, बल्कि धोनी के कोच बनने की संभावना की ओर इशारा माना जा रहा है। पहले कई बार गंभीर और धोनी के तनावपूर्ण रिश्तों को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। गंभीर अक्सर टीम इंडिया की सफलता में धोनी को ज्यादा श्रेय दिए जाने पर सवाल उठाते थे पर अब अब दोनों के बीच सम्मान और तालमेल साफ नजर आ रहा है। वहीं अगर अनुभव की बात करें तो धोनी के पास पारंपरिक कोचिंग अनुभव कम है। उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप में टीम इंडिया के मेंटर की भूमिका निभाई थी। लेकिन उनकी असली ताकत है मैच को पढ़ने की अद्भुत क्षमता, दबाव में शांत रहने की कला, कप्तान के तौर पर शानदार रिकॉर्ड, आईपीएल के जरिए टी20 क्रिकेट की गहरी समझ; कई विशेषज्ञ मानते हैं कि धोनी पहले मेंटर या डायरेक्टर की भूमिका निभा सकते हैं, फिर कोच बन सकते हैं।

# ईरान विश्व कप मैचों को स्थानांतरित करने के लिए फीफा के संपर्क में: मेक्सिको स्थित ईरान दूतावास

**मेक्सिको सिटी (एजेंसी)।** मेक्सिको स्थित ईरान के दूतावास ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने विश्व कप मैचों को अमेरिका से मेक्सिको स्थानांतरित करने के लिए फीफा से बातचीत कर रहा है। यह कदम उस समय सामने आया है जब सह मेजबान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ईरान को टूर्नामेंट में भाग लेने से हतोत्साहित किया। फीफा की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस तरह की कोई औपचारिक बातचीत चल रही है या नहीं।

फीफा ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ईरान के अधिकारियों ने पहले कहा था कि विश्व कप के दौरान टीम की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और अमेरिका की जिम्मेदारी है। दूतावास ने ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज के हवाले से बयान जारी करते हुए कहा कि खिलाड़ी और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान अपने ग्रुप चरण के मैच मेक्सिको में कराना चाहता है।

इस बयान के मुताबिक, 'जब ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह ईरान की राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो हम निश्चित रूप से अमेरिका की यात्रा नहीं करेंगे। हम वर्तमान में फीफा के साथ बातचीत कर रहे हैं कि विश्व कप में ईरान के मैच मेक्सिको में आयोजित किए जाएं।' यह विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है। ईरान को 16 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ कैलिफोर्निया के इंगलवुड में मैच खेलने हैं, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला निर्धारित है।

विश्व कप शुरू होने से तीन महीने से भी कम समय पहले मैचों का स्थान बदलना अभूतपूर्व कदम होगा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद ईरान टीम का स्वागत है, लेकिन 'मुझे नहीं लगता कि अपने जीवन और सुरक्षा के लिए उनका वहां होना उचित है।' पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने टूर्नामेंट में भागीदारी को लेकर मिश्रित संकेत दिए हैं। अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनेई सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौत हुई है।

खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने पिछले सप्ताह सरकारी टीवी से कहा था, 'ईरान के खिलाफ किए गए कृत्यों के कारण खेलना संभव नहीं है।' ट्रंप के बयान के बाद राष्ट्रीय टीम ने हालांकि इंस्टाग्राम पर लिखा, 'कोई भी उसे टूर्नामेंट से बाहर नहीं कर सकता।' तेहरान में सरकार के एक प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना फीफा और मेजबान देश अमेरिका की जिम्मेदारी है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, 'फीफा विश्व कप का आयोजक है। जब उच्च स्तर पर यह चेतावनी दी जाती है कि ईरान के खिलाड़ियों के लिए माहौल सुरक्षित नहीं है, तो यह दर्शाता है कि मेजबान देश के पास इतने बड़े खेल आयोजन के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है।'

ईरान में फुटबॉल बेहद लोकप्रिय है। नौ करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश अब तक सात पुरुष विश्व कप में भाग ले चुका है। इसमें लगातार पिछले चार सत्रों के लिए क्वालीफाई करना भी शामिल है। फीफा रैंकिंग में टीम 20वें स्थान पर है और एशिया में केवल जापान से पीछे है। फीफा ने हाल के दिनों में इस मुद्दे पर कोई नई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने पिछले सप्ताह इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा था कि उन्हें ट्रंप से आश्वासन मिला है कि ईरान टीम का टूर्नामेंट में स्वागत है।

# मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं। भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।

# स्क्वाश के ओलंपिक का हिस्सा बनने के बाद सभी खिलाड़ियो की नजरें लॉस एंजिलिस खेलों पर:अनाहत

**मुंबई (एजेंसी)।** भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा, 'बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते।' अनाहत ने कहा, 'अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं।'

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है।

उन्होंने कहा, 'यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।' टंडन ने कहा, 'ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है।'

टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है।'

टंडन ने कहा, 'तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।' अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और 2023 में दो कांस्य पदक जीतने के बाद अब वह एशियाई खेलों में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही हैं।

# सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई। रॉजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आयेंगे। सैमसन ने जिस प्रकार लंबे समय तक रॉयल्स की ओर से खेलने के बाद उसे छोड़ा उसको लेकर कई बार सवाल उठते रहे हैं। जिसको लेकर अब संजू ने अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि रॉयल्स में उनका समय समाप्त हो गया था। सैमसन आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले एक ट्रेड डील के जरिये सीएसके में चले गये थे। सैमसन के रॉयल्स छोड़कर अचानक ही सीएसके में जाने से प्रशंसक भी हैरान थे। इसी को देखते हुए आईपीएल के 2026 सत्र से पहले सैमसन ने रॉयल्स छोड़ने के अपने फैसले को लेकर बताया है। सैमसन के अनुसार उन्होंने साल 2018 से 2025 तक रॉयल्स की ओर से खेलनै क बाद देखा कि अब टीम के साथ उनका समय पूरा हो गया है। सैमसन ने रॉयल्स के लिए 11 आईपीएल सीजन खेले हैं। जिससे वह टीम के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह 2013 से 2015 तक भी इस टीम का हिस्सा रहे थे, इसके बाद उन्होंने दो सत्र 2016-2017 तब की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेला था। सैमसन ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैं आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेलने जा रहा हूं। मैं मैदान पर कदम रखते ही भावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। खेल ही सब कुछ तय करता है। मैच से पहले और मैच के बाद, जब मैं पुरानी टीम के साथ खेलता हूं, तो वहां कई खिलाड़ी हैं जिनके साथ हमने बचपन में खेला है। बहुत सारे प्रबंधन से जुड़े और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी हैं। मुझे सबका प्यार और सम्मान मिला है। मैंने पहले कहा, हर किसी का अपना समय होता है। मेरा समय राजस्थान रॉयल्स के साथ था पर अब मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। इसको लेकर मेरा मन उत्साहित भी है।'

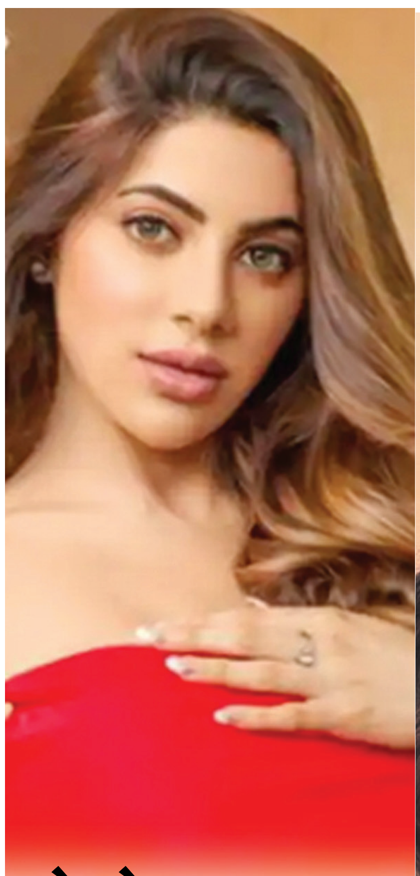

# शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।' निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।'

उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।'

# 'मेड इन कोरिया' एक्ट्रेस प्रिया मोहन ने साझा किया कोरिया शूट का दुख

प्रिया मोहन की तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस ने कोरिया में शूटिंग करते हुए आई परेशानी के बारे में एक इंटरव्यू में चर्चा की। साथ ही वहां हुए अपने अनुभव के बारे में भी बताया।

## खाना सबसे बड़ा चैलेंज

अभिनेत्री प्रिया मोहन ने बातचीत में अपनी तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' के काफी कुछ बताया। उन्होंने कहा कि कोरिया में सबसे मुश्किल है खाना मिलना। क्योंकि कोरिया में हर खाने में रेड मीट डाला जाता है वो नहीं खा सकती थीं। आगे एक्ट्रेस ने कहा कि वो मूल रूप से शाकाहारी हैं। मगर उन्होंने कुछ दिनों पहले ही चिकन खाना शुरू किया है। अपने डाइटिंग के वजह से भी वह सब कुछ नहीं खा सकती हैं।

## मौसम का बदलना भी एक मुश्किल

प्रिया ने बताया कि वो और शूटिंग यूनिट 40 दिनों तक कोरिया में थीं। इस दौरान खाने के साथ-साथ उन्होंने मौसम के बदलाव को भी एक समस्या है। उन्होंने कहा कि कोरिया का मौसम लगातार बदलता रहता है। अगर सुबह गर्मी होती है तो दोपहर में बारिश हो जाती है। वहीं रात में बर्फ गिरने लगती है। इस मौसम की वजह से काफी शूटिंग में काफी मुश्किलें होती हैं।

## काफी एंजॉय की फिल्म की शूटिंग

मेड इन कोरिया एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है। इसमें कई कोरियन एक्टर्स भी काम कर रहे हैं। प्रिया मोहन ने अपनी बातचीत में कहा कि मुश्किलों के बावजूद उन्हें फिल्म करने में काफी मजा आया। खास तौर पर कोरियन एक्टर्स के साथ एक्टिंग का अनुभव काफी खास रहा। प्रिया ने कहा कि कोरियन एक्टर्स स्क्रिप्ट पढ़ने से ज्यादा स्वाभाविक एक्टिंग पर ध्यान देतें हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने पहले इंटरनैशनल प्रोजेक्ट के लिए काफी खुश हैं।

# नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे, अपने 'जटिल' किरदार को लेकर किया खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने खास बातचीत में अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, 'मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है।' सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।' जब उनसे सवाल किया, 'शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, 'पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर कोई शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति भी एनर्जेटिक हो सकता है, जबकि बिना परिवार वाला भी अनफिट दिख सकता है। इसलिए हमें ऐसे पुराने विचारों से दूर रहना चाहिए।' शो में डिजिटल क्राइम और सोफिस्टिकेटेड स्कैम जैसे विषय दिखाए जा रहे हैं, जिसको लेकर सुधांशु ने कहा, एजुकेशन और अवेयरनेस दो अलग-अलग चीजें हैं। बहुत पढ़े-लिखे लोग भी स्कैम कर सकते हैं और वही पढ़े-लिखे लोग उनके शिकार भी बन सकते हैं।

# शरवरी बनीं इम्तियाज की फिल्म का हिस्सा

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आने वाली हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर दिलजीत दोसांझ नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। जिसे देखकर फैंस उत्साहित हैं। टीजर में रोमांस से भरी कहानी की झलक दिखी है। इस बीच शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक इम्तियाज अली के साथ तस्वीर शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है। शरवरी वाघ ने एक पोस्ट में लिखा 'इम्तियाज सर यह कहना कि मैं आपके सिनेमा की बहुत बड़ी फैन रही हूं, कम होगा। आज जब हमारा टीजर आया, तो मैं उस दिन को याद कर रही थी, जब मैंने 3 साल पहले एक क्लास अटेंड की थी। इसे आपने मणि सर के लिए कंडक्ट की थी। मैं वहां ऑडियंस में बैठकर आपके क्राफ्ट, आपके विजन और आप बड़े पर्दे पर जो खूबसूरत दुनिया बनाते हैं, उसके बारे में सुन रही थी।' शरवरी ने आगे लिखा 'मुझे याद है कि मैंने उस दिन इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली थी और सोचा था कि मैं किसी दिन आपकी फिल्म का हिस्सा बनूंगी। मुझे क्या पता था कि मैं एक ऐसा टीजर देखूंगी जिसके आखिर में 'ए फिल्म बाय इम्तियाज अली' लिखा होगा और मैं इसका हिस्सा बनूंगी।' शरवरी ने आगे लिखा 'एक यंग एक्टर के तौर पर, जो स्क्रीन पर अलग-अलग तरह के किरदार में ढलने के लिए बेताब है, मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' का सफर सबसे अच्छा रहा। यह सिर्फ आपकी वजह से हो पाया। रेकी से लेकर शूटिंग खत्म होने तक और कई लंच और डिनर पर हुईं बातें मेरी यादों में रहेंगी। थैंक्यू सर! आप सिर्फ एक अच्छे फिल्ममेकर ही नहीं, एक अच्छे इंसान भी हैं!'

# पलाश मुछाल की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला

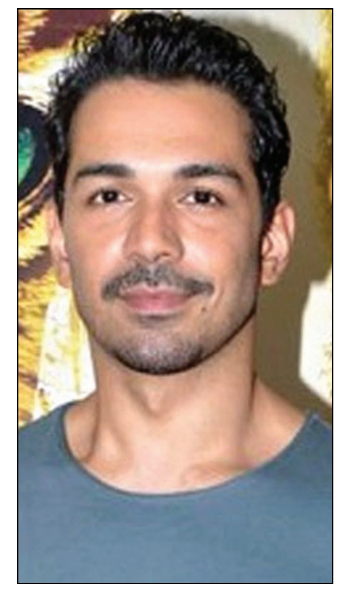

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपदे निभाएंगे। अब इस फिल्म में एक टीवी एक्टर भी शामिल हो गया है। इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए पलाश मुछाल ने ही जानकारी साझा की है। टीवी एक्टर के साथ एक फोटो भी पोस्ट की है। पलाश मुछाल की फिल्म में टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला एक अहम किरदार निभाएंगे। देर रात पलाश मुछाल ने अभिनव के साथ तस्वीर साझा की और फिल्म में उनका स्वागत किया। इस फिल्म में डेजी शाह भी नजर आएंगी।

## कई फिल्में निर्देशित कर चुके हैं पलाश

पलाश मुछाल डायरेक्शन में आने से पहले बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में सक्रिय थे। फिर वह निर्देशक की भूमिका में आए। अब तक कई फिल्में बना चुके हैं। पलाश ने 'अर्ध' और 'काम चालू है' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

## शादी टूटने का मामला भी चर्चा में रहा

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। इस साल की शुरुआत में स्मृति के दोस्त ने पलाश पर पैसों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पलाश ने भी मानहानि का मुकदमा ठोका है। इन सभी बातों के बीच वह अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े अपडेट लगातार साझा कर रहे हैं।

# 10 जुलाई को रिलीज होगी आलिया-शरवरी स्टारर 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपनी पहली वुमन सेंट्रिक रुपाई फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेस का मुकाबला विलेन बने बॉबी देओल से होगा। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी कहानी है, जिसमें फीमेल स्पाई को केंद्र में रखा गया है। करीब डेढ़ साल तक चली शूटिंग में कश्मीर का एक लंबा शेड्यूल भी शामिल रहा। फिल्म के क्लाइमैक्स में हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस को वीएफएक्स आधारित बनाया गया है, जिसके लिए विशेष रूप से हाई स्पीड वाले बोल्ट कैमरा का इस्तेमाल किया गया।

## शूटिंग में सीक्रेसी का स्केल भी काफी हाई रहा

शूटिंग के दौरान बॉबी के डेडिकेशन की भी काफी चर्चा रही। बताया जाता है कि उन्होंने लगातार आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में काम किया। फिल्म में उनका लुक फिल्म 'एनिमल' से बिल्कुल अलग रखा गया है, जिसमें वे साल्ट-एंड-पेपर दाढ़ी और वेस्टर्न स्टाइल ब्लेजर में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान सीक्रेसी का स्केल काफी ऊंचा रखा गया। क्रू मेंबर्स के मोबाइल फोन तक सेट पर बैन थे। कुछ एक्शन सीन्स को पहले बॉडी डबल्स के साथ शूट किया गया और बाद में फेस रिप्लेसमेंट तकनीक से एक्टर्स के चेहरे जोड़े गए, जिसमें करीब 15 से 20 दिन लगे। 'अल्फा' के सेट पर नई पीढ़ी की झलक भी देखने को मिली। जिमी शेरगिल के बेटे वीर शेरगिल ने भी इस फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। 'अल्फा' के अलावा शरवरी की अली-अहान वाली फिल्म यूके में 60 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल में हो रही शूट निर्देशक अली ने इस फिल्म को स्टूडियो सेट के बजाय रियल लोकेशंस पर शूट करने का फैसला लिया है। इसी वजह से करीब 60 दिनों का लंबा शेड्यूल यूनाइटेड किंगडम में रखा गया है। शूटिंग मुख्य रूप से लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम और लीड्स में होगी। इस फिल्म के भी लुक और सीन लीक न हों, इसके लिए सेट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह यशराज फिल्म्स के इतिहास के सबसे बड़े सुरक्षा प्रबंधों में से एक है।

## विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है...

अहान-शरवरी स्टारर इस फिल्म की कहानी आधुनिक भारत और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन-रोमांस है। अहान के किरदार में एक्शन के साथ हल्का-फुल्का हास्य भी होगा। यूके शेड्यूल के बाद फिल्म की टीम भारत लौटकर जयपुर में कुछ अहम हिस्सों की शूटिंग करेगी। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। अहान और ऐश्वर्य ठाकरे के लिए एक लिमिटलेस एक्शन वर्कशॉप आयोजित की गई। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हाई स्पीड चेज सीक्वेंस भी हैं। अहान पिछले तीन महीनों से एमएमए ट्रेनिंग ले रहे हैं।

## शरवरी, अहान पांडे के साथ भी एक एक्शन फिल्म में दिखेंगी

शरवरी वाघ जल्द ही निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांटिक फिल्म में अहान पांडे के साथ भी नजर आएंगी। अहान इस नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हैं। इसे भी यशराज फिल्म्स ही बना रही है। फिल्म का पहला शेड्यूल 20 मार्च से मुंबई में शुरू होगा।

# किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ–सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए–

## पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

## तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

## स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

## एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

## लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

## नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

# डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

## लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

## ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

## लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

## इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

# तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

**आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।**

## बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा–बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

## टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीव़ी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीव़ी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

## जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

## जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11–15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

# खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख–शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

## पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

## सुख–शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख–शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई–झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

## कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति–पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

## मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

## बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

## घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी–भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

## शीशे के शो–पीस

शीशे के शो–पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर–पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो–पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।